हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 32, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 30 जुलाई, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

बारिश कम हो या ज्यादा, परेशान न हों किसान, हर कदम पर साथ है सरकार

उच्चस्तरीय बैठक में बोले सीएम योगी, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अल्पवृष्टि के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में गत वर्ष की तरह इस बार भी बारिश असामान्य है और इसमे निरंतरता नहीं है। ऐसे में किसानों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए। किसान हित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि बरसात कम हो या ज्यादा किसानों चिंतित न हों, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित देते हुए कहा कि हर हाल में नहरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए नदियों को चैनेलाइज करते हुए उनके पानी को नहरों में पहुंचाने की व्यवस्था करें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि पानी हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचे। नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग करे, ये सुनिश्चित किया जाए कि बीच मे कोई नहरों को काटने न पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों का हित हमारी प्राथमिकता है, ऐसे में अल्प वृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्प वृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्प वृष्टि की पाक्षिक रिपोर्ट बनाक केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि निजी ट्यूबवेल संचालकों को रेंन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से अबतक कुल 281.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो कि सामान्य वर्षा का 84.3 प्रतिशत है। बैठक में कृषि मंत्री की ओर से बताया गया कि प्रदेश में अबतक 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई हुई है।

पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, आठ लोगों की मौके पर मौत

तमिलनाडु। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया है। इसमें आठ लोगों के मरने की जाने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल, इस मामले कोई अपडेट नहीं आया है।

मौके पर पहुंची पुलिस– घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी है। इसके बाद पुलिस और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। लोगों को रेस्क्यू करने का काम जारी है।

आठ लोगों की मौत– पटाखा फैक्ट्री के भीषण विस्फोट में तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई। जिले के पझायापेट्टई में पटाखा बनाने वाले गोदाम में अचानक हुए विस्फोट से कई लोग घायल भी हुए हैं।

आसपास के इमारत और दुकानें क्षतिग्रस्त– पुलिस ने बताया कि विस्फोट के प्रभाव से इकाई के पास के घर और कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रभावितों को बचाने के लिए पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में छात्रों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान में अवसर खुले : शाह

तमिलनाडु। तमिलनाडु के रामेश्वरम में डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की 'यादें कभी नहीं मरतीं' पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारे छात्रों और उनके स्टार्टअप के लिए अंतरिक्ष विज्ञान में अवसर खुले हैं। मेरा मानना है कि एपीजे अब्दुल कलाम का अंतरिक्ष विज्ञान का सपना पीएम मोदी के नए नवाचारों के कारण पूरा होगा और भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा।

अमित शाह ने कहा कि 'इंडिया 2020: विजन फॉर द न्यू मिलेनियम' पुस्तक में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भारत के विकास के रोडमैप पर प्रकाश डाला। अमित शाह ने कलाम की किताब में लिखी तीन बातों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को अपनी क्षमता पहचाननी चाहिए, प्रौद्योगिकी आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करनी चाहिए और कृषि और उद्योग तथा शहरों और गांवों के बीच संतुलित विकास सुनिश्चित करना चाहिए।

अमित शाह ने किया डॉ एपीजे अब्दुल कलाम हाउस का दौरा– किताब के विमोचन के बाद अमित शाह ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम हाउस और विवेकानंद स्मारक का दौरा किया। बहुत ही कम ही लोग जानते हैं कि डॉ. कलाम का जन्म और पालन-पोषण उनकी किशोरावस्था तक मंदिरों के शहर रामेश्वरम में हुआ था। कलाम के घर को 2011 में संग्रहालय के रूप में स्थापित किया गया। उल्लेखनीय है कि, शुक्रवार को अमित शाह ने तमिलनाडु बीजेपी की यात्रा को रामेश्वरम से हरी झंडी दिखाई थी। छह महीने लंबी यात्रा पूरे तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी और अगले साल जनवरी में समाप्त होगी। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है।

मणिपुर में हिंसा पीड़ितों से मिलने राहत शिविर पहुंचे 'इंडिया' गठबंधन के सांसद, भाजपा बोली- ये केवल नौटंकी

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा की छिटपुट घटनाएं अभी भी देखने को मिल रही है। बीते 3 मई से कहीं आग लगाई जा रही तो कहीं गोलियां बरसाई जा रही। इसको लेकर सड़क से संसद तक बवाल मचा है और विपक्ष भी सरकार के खिलाफ लामबंद है। इस बीच आज विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के 21 सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल मणिपुर का दौरा करने निकला है। ये सांसद हिंसाग्रस्त क्षेत्रों और राहत शिविरों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लेंगे।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़ी 80 फीसद अनुशंसाओं पर आगे बढ़ी सरकार

नई दिल्ली। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमल को तीन साल पूरा होने के मौके पर शिक्षा मंत्रालय दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन करने जा रहा है। 29 और 30 जुलाई को नई दिल्ली के प्रगति मैदान पर आयोजित समागम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस दौरान शिक्षा नीति से जुड़ी सिफारिशों के अमल को लेकर अब तक उठाए गए कदमों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए देशभर के शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों सहित करीब तीन हजार शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया है। इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने इस क्षेत्र को बदल दिया है और नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया है। इसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक के युवाओं को मिलेगा। शिक्षा का यह महाकुंभ भारत को नॉलेज इकोनॉमी बनाएगा। शिक्षा मंत्रालय ने तीन सालों में नीति से जुड़ी करीब 80 फीसद सिफारिशों पर आगे बढ़ने का दावा किया है। सरकार ने नीति के अमल को 29 जुलाई 2020 को मंजूरी दी थी। इस दौरान मंत्रालय ने नीति से जुड़ी जिन बड़ी और प्रमुख सिफारिशों को मंजूरी दी है, उनमें पीएमश्री स्कूल का गठन, परीक्षाओं के पैटर्न में बदलाव के लिए परख जैसी एजेंसी का गठन, चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की शुरूआत, पूरी शिक्षा व्यवस्था में एंट्री और एक्जिट होने जैसी व्यवस्था का गठन, चार वर्षीय स्नातक कोर्सों की शुरूआत, शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण के साथ ही शीर्ष विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के कैंपस देश में खोलने और शीर्ष भारतीय संस्थानों को विदेशों में कैंपस खोलने की अनुमति देने जैसे प्रमुख कदम शामिल है।

मुद्रा योजना में 300 करोड़ के बंदरबांट में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

जांच अधिकारी ने आरजीएस पोर्टल पर शिकायत के जवाब में कहा दबिश के बाद भी गिरफ्त से दूर है आरोपी, एसीपी कैंट द्वारा आरोपियों को गिरफ्तारी का आदेश

प्रखर वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी मुद्रा योजना के नाम पर 300 करोड़ रुपए के बंदरबांट में अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज होने के

पीसी पाठक - शिकायतकर्ता

बाद भी अब तक आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। गौरतलब है कि शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद क्षेत्र के अतिबारा गांव निवासी पीसी पाठक ने मुद्रा योजना में बंदरबांट की शिकायत अदालत से की थी। जिसके बाद अदालत ने इस मामले में वाराणसी स्थित दो माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रबंध निदेशक एवं उसके सहयोगीयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था । अदालत के आदेश के बाद कैंट थाने में इस

धोखाधड़ी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया लेकिन अप्रैल महीने में ही दर्ज किए गए इस मुकदमे में अब तक पुलिस के हाथ कुछ भी नहीं लगा है। जांच में देरी होने की स्थिति में पीसी पाठक द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल आइजीआरईएस पर शिकायत की गई । उसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने आइजीआरएस पोर्टल पर अपने जवाब में कहा कि बार-बार दबिश देने के बावजूद आरोपी गिरफ्त से बाहर है। लिहाजा उन्होंने अदालत से निवेदन किया है कि इस मामले में एनबीडब्ल्यू जारी किया जाए। प्रखर पूर्वांचल से बात करते हुए पीसी पाठक ने कहा कि कैशपार माइक्रो क्रेडिट लिमिटेड को 2015-16 से लेकर 2020-21 इस योजना के तहत कुल 275 करोड़ों रुपए के ऋण आरबीआई द्वारा बांटने के लिए दिया गया था। इसी तरह उत्कर्ष कोरइवेस्ट निवेश लिमिटेड को भी 2016-17 में मुद्रा योजना के तहत 25 करोड़ का ऋण दिया गया । दोनों कंपनियों द्वारा दिए गए ऋण के संबंध में उनसे आरटीआई द्वारा इन कंपनियों

से बांटे गए ऋण की सूचना मांगी गई थी लेकिन कंपनी द्वारा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे स्पष्ट है कि दोनों कंपनियों द्वारा योजना के धन की बंदरबांट की गई है। आगे उन्होंने कहा कि पुलिस और आला अधिकारियों से लगातार शिकायत किए जाने के बाद भी इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की गई । लिहाजा उन्हें कोर्ट की शरण में जाना पड़ा बावजूद इसके कोर्ट के आदेश पर मुकदमा तो दर्ज कर लिया गया है लेकिन अब तक इस मामले में पुलिस ने एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। इस संदर्भ में एसीपी केंट द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार करने का आदेश भी दिया गया लेकिन आला अधिकारियों के आदेश के बाद भी इस मामले में जांच अधिकारी और संबंधित थाना चौकी के पुलिसकर्मी चुप्पी साधे हुए हैं ।

आठ लाख कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग देगी भाजपा, 80 सीटों पर तैयार होंगे विस्तारक

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए भाजपा ने मेगा प्लान तैयार किया है। पार्टी इसके लिए आठ लाख लोगों को प्रशिक्षण देगी। प्रदेश की सभी 80 सीटों पर विस्तारक तैयार किए जाएंगे। इसकी कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। इन कार्यकताओं को नगर निगम से लेकर नगर पंचायत में ट्रेनिंग दी जाएगी। इस प्रयास में सबसे पहले जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रशिक्षण केंद्र लगाए जाएंगे। गाजियाबाद में 5 और 6 अगस्त को कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। 7 और 8 अगस्त को 67 जिला पंचायत अध्यक्षों का प्रशिक्षण हरियाणा में होगा। इसी क्रम में 12 और 13 अगस्त को अयोध्या में अवध क्षेत्र के कार्यकताओं का प्रशिक्षण होगा। 19 और 20 अगस्त को गोरखपुर में गोरखपुर क्षेत्र के कार्यकताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तय किया गया है। 19 और 20 अगस्त को बिठूर में कानपुर क्षेत्र की ट्रेनिंग होगी और 21 अगस्त को वाराणसी में काशी क्षेत्र के कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मरना सबको है, कर्म ही जिंदा रहता है : नवजोत सिंह सिद्धू बोले- भूखों को रोटी खिला देना ही धर्म है

वाराणसी। बेबाक अंदाज और बिंदास बोल वाले पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू शुक्रवार की दोपहर महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर अध्यात्म और दर्शन में डूबे नजर आए। पत्रकारों के कुरेदने पर उन्होंने कहा कि लक्ष्मी, शरीर और प्राण चलायमान हैं। मणिकर्णिका घाट पर देखिए, रोजाना कितने शरीर जलते हैं। सबको जलना है और मिट्टी के नीचे भी जाना है, लेकिन कर्म जिंदा रहता है। मैं, अपनी कैंसर पीड़ित पत्नी नवजोत कौर सिद्धू को लेकर काशी आया हूं। धर्मस्थली पर धर्म से जुड़ने और अपनी गुरु माई के चरणों में आया हूं। इस धर्मस्थली पर राजनीति या उससे जुड़ी बातें करने नहीं आया हूं। काशी प्रवास के चौथे दिन पूर्व सांसद नवजोत सिंह सिद्धू मणिकर्णिका तीर्थ पहुंचे। विधि-विधान से पूजा करने के बाद उन्होंने कांग्रेस की पंचक्रोशी यात्रा को रवाना किया। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि गौरवपूर्ण बिताया हुआ एक घंटा कीर्ति रहित युगों से कहीं बेहतर होता है। बुलबुला चाहे एक पल क्यों न जिये, लेकिन सबसे ऊंचा होकर जीता है। जो समय इस घाट पर गंगा माई के किनारे इतिहास का गौरव को देखते हुए बिताया, वह मेरा सौभाग्य है। इस पुण्य मास में काशी आता ही वही है, जिसने पिछले जन्मों में कुछ अच्छा किया हो। उन्होंने कहा कि गुरुनानक साहब ने कहा है कि सबका भला जो करेगा, वही परमात्मा को समझा है। नारायण ने कहा कि यह जगत एक परिवार है। भगवान शंकर और हमारी गुरु माई पार्वती ने कहा कि विश्व के कल्याण में हम सबका कल्याण निहित है। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि जैसे तिलों में तेल, सागर में लहरें, फूलों में खुशबू, गन्ने में गुड़ और दूध में मक्खन दिखाई नहीं देता है, वैसे ही परमात्मा हरि नारायण, अल्लाह, वाहे गुरु बन कर हर एक मनुष्य और कण-कण में बसा है। जो विश्व के कल्याण के लिए मनोकामना करते हुए कर्म करेगा, वही कर्मयोगी है और उसका खुद का कल्याण होगा। निजी स्वार्थ में जीना धर्म पलायन है। भूखों को रोटी खिला देना, रोते हुओं को हंसा देना, समाज की हर बाधा को हटा देना और उजड़े हुओं को बसा देना ही धर्म है। मानव कल्याण में ही धर्म बसा है। जब-जब धर्म कार्य से मनुष्य पीछे होगा, परमात्मा अपने लोगों के जरिये या खुद अवतरित होकर धर्म की स्थापना करता है।

मणिपुर मुद्दे पर चर्चा से भाग रहा विपक्ष, बंगाल-राजस्थान और बिहार पर नहीं देना चाहता जवाबः गजेंद्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली। मणिपुर मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच बयानबाजी जारी है। इस बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मणिपुर मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस पर चर्चा नहीं करना चाहता बल्कि इस मुद्दे को जीवित रखना चाहता है। एक समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि संसद के पहले दिन PM मोदी और अन्य नेताओं ने कहा था कि वे मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। विपक्ष इस पर चर्चा नहीं करना चाहता और इस मुद्दे को जीवित रखना चाहता है। उन्हें पता है कि राजस्थान, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ की घटनाओं पर भी चर्चा होगी। बता दें कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 21 सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल जमीनी हकीकत का आकलन करने के लिए हिंसा प्रभावित मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को यहां पहुंचा है। विपक्षी दलों के सांसदों का दल तीन मई से पूर्वोत्तर राज्य में भड़की जातीय हिंसा के पीड़ितों से मिलने के लिए कई राहत शिविरों का दौरा करेगा।

संपादकीय

मुख्यमंत्री से इस्तीफा क्यों नहीं ले पा रही केंद्र सरकार

मणिपुर में दो समुदायों के बीच अलगाव चरम सीमा पर पहुंच चुका है। हजारों की संख्या में घर जलाए जा चुके हैं। 300 से ज्यादा गिरजाघर जला दिए गए हैं। कुछ मंदिर भी जलाए गए हैं। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। 2 महिलाओं को नंगा करके घुमाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया है। हजारों लोग अपने ही राज्य में शरणार्थी शिविरों पर रहने के लिए विवश हैं। मणिपुर की घटनाओं का असर अब मिजोरम, असम, नागालैंड इत्यादि राज्यों में भी तेजी के साथ पड़ रहा है। यहां पर भी विभिन्न समुदायों के बीच में असुरक्षा बढ़ गई है। रोजाना मणिपुर और अन्य राज्यों में उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मणिपुर में निरंतर गोलीबारी हो रही है। इस सब के पीछे जो सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है,उसमे मुख्यमंत्री वीरेन सिंह पर किसी भी समुदाय को विश्वास नहीं रहा। सेना, पुलिस, स्वास्थ्य कर्मी भी समुदाय के आधार पर मणिपुर में बंट गई है। जिसके कारण मणीपुर में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महत्वपूर्ण सेवायें भी आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है। केंद्र सरकार के इशारे पर एक बार मुख्यमंत्री इस्तीफा देने के लिए राजभवन की ओर जा रहे थे। उन्होंने इस्तीफा देने के स्थान पर अपने समर्थकों को बुलाकर इस्तीफा समर्थकों से फड़वा दिया। इस बात को भी कई दिन बीत चुके हैं। इसके बाद भी केंद्र सरकार द्वारा,मुख्यमंत्री से इस्तीफा नहीं लेने के कारण केंद्र सरकार की जवाबदेही बढ़ती ही जा रही है। देश और दुनिया में मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार निशाने पर है। बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान जो हिंसा हुई है,या राजस्थान में जो महिलाओं के साथ यौन संबंधी अपराध हुए हैं। उनसे मणिपुर की तुलना नहीं की जा सकती है। पश्चिम बंगाल और राजस्थान के नाम पर केन्द्र सरकार बचाव करने की सोच रही है। उसके कारण केंद्र सरकार स्वयं निशाने पर आ रही है। माना जा रहा है, केंद्र सरकार डबल इंजन सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए पश्चिम बंगाल और राजस्थान को निशाने पर ले रही है। मणिपुर की तुलना अन्य राज्यों से करना पूरी तरह बेमानी और दोषपूर्ण है। मणिपुर में सेना और पुलिस से उग्रवा?दियों ने हथियार लूट लिए। ढाई महीने से इंटरनेट बंद था। जगह जगह कर्फ्यू लगाया गया। जब दो युवतियों का नग्न अवस्था का वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकार हरकत में आई। सुप्रीम कोर्ट ने इसमें संज्ञान लिया। टेलीविजन चैनल की बहस में गुजरात दंगों और मणिपुर में हो रहे दंगों के बचाव में पश्चिम बंगाल और राजस्थान, छत्तीसगढ़ का नाम लेकर तथा 1984 के सिख विरोधी दंगों का बार-बार उल्लेख कर जो बचाव किया जाता है। अब इसका भी असर जनता के बीच में नहीं हो रहा है। जिस तरह की स्थिति मणिपुर में बनी हुई है। मणिपुर में मेतई समुदाय और कुकी समुदाय के लोगों का एक साथ रहना नामुमकिन हो गया है। दोनों समुदायों के बीच का यह विभाजन प्रदेश की सुरक्षा, प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों के कारण देश की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। कश्मीर घाटी में 1990 में पंडितों का पलायन हुआ था। पंडितों के पास ना तो कोई हथियार थे। ना उनमें लड़ाई लड़ने का सामर्थ्य था। जिसके कारण वह घाटी छोड़कर भारत के अन्य राज्यों में आकर निवास करने लगे। मणिपुर की स्थिति इसके ठीक विपरीत है। यहां पर तीनों समुदायों के पास बड़ी मात्रा में हथियार हैं। यहां के लोग कई दशकों से आपस में अपने अस्तित्व के लिए लड़ते रहे हैं। गुजरात के दो समुदाय के बीच 2002 में जो दंगे हुए थे। उसमें हिंदुओं के बचाव के लिए अहमदाबाद की सड़कों पर बजरंग दल और हिंदू संगठनों ने मोर्चा संभाल लिया था। मणिपुर की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। पहाड़ी और मैदानी इलाके में सशक्त विद्रोह जैसी स्थिति मणिपुर मे बनी हुई है। यहां पर सेना और सीमा सुरक्षा बल भी अपने आप को असहाय पा रहा है। अब इसका असर पूरे पूर्वोत्तर राज्य के साथ-साथ भारत के अन्य राज्यों में प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। मणिपुर के मुख्यमंत्री से अभी तक इस्तीफा नहीं लिए जाने के कारण, यह मामला अब गुजरात दंगों से भी जोडा जाने लगा है। 2002 में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटाने पर विचार किया गया था। उस समय गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, मुख्यमंत्री को हटाने सहमत नहीं हुए।

रखते वो सबूत!

हुआ है घोटाला ।
रखते वो सबूत ।।
पेपर उनके पास है ।
है दावा मजबूत ।।
आड़ में वो सेवा की ।
हो गए हैं भ्रष्ट ।।
साफ सफाई देने की ।
ना करें वो कष्ट ।।
जानने का सबको ।
है बनता अधिकार ।।
हुआ है घोटाला ।
अब तक किस प्रकार ।।
क्या सच क्या है झूठ ।
वो अब खुलने वाला ।।
है सब कुछ यह फर्जी ।
या सचमुच घोटाला ?

–कृष्णेन्द्र राय

आज की राजनीति में नैतिकता और मर्यादा को त्यागने वाले ही सफल हो पा रहे हैं

ललित गर्ग

नैतिकता, मयार्दा एवं आदर्श मूल्यों के लिये दुनिया में पहचान बनाने वाले भारत की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने लगातार नैतिकता को तार-तार किया है। नए राजनीतिक मौसम में सत्ता और दाग दोनों साथ-साथ चलते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है एवं नये बनते भारत की सबसे बड़ी बाधा है। इन हालातों में छोटे से देश न्यूजीलैंड से आई एक खबर भारतीय राजनेताओं के लिए नसीहत भरी है। वहां की न्याय मंत्री किरी एलन को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ गया। इस्तीफे की वजह यह रही कि हद से ज्यादा नशे की हालत में वाहन चलाते हुए किरी ने एक खड़ी हुई कार को टक्कर मार दी थी। जो हादसा हुआ वह यों तो सामान्य लगता है लेकिन प्रतिक्रिया के रूप में नैतिक आधार पर मंत्री ने पद छोड़ दिया, यह भारत के आधुनिक राजनेताओं के लिये एक प्रेरणा है।

भारत के सन्दर्भ में न्यूजीलैंड में मंत्री के इस्तीफे का यह उदाहरण इतना ही बताने के लिए काफी है कि कानून-कायदे सख्त हों इससे ज्यादा जरूरी यह है कि कानून सबके लिए समान भी हों। अपराध या गलती होने पर राजनेता पहले उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने पद को त्यागे। यह एक अवसर है कि न्यूजीलैंड से मिली नसीहत और नैतिकता के मापदण्डों पर भारत के राजनेता एवं सत्ता पर बैठे लोगों के लिये खरा उतरने की प्रेरणा लेने का। लेकिन ऐसा न होना एक गंभीर स्थिति है। मणिपुर में 4 मई का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कुकी समुदाय की महिलाओं को मैतेई समुदाय के पुरुषों के एक समूह ने नग्न परेड कराया और उनके साथ दरिंदगी की। मणिपुर की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दो महिलाओं को नग्न घुमाने की घटना ने 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार किया है, लेकिन प्रश्न है कि वहां के मुख्यमंत्री ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद को त्यागने का उदाहरण क्यों नहीं प्रस्तुत किया। इससे पूर्व लम्बे समय तक बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों से लगातार यौन उत्पीडन के आरोप लगते रहे, प्रदर्शन होते रहे, उन्होंने सचाई सामने आने तक अपने पद से त्यागपत्र क्यों नहीं दिया। जबकि उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी), 354 (महिला की शीलता भंग करना), 354-ए (यौन उत्पीड़न) और 354-डी (पीछा करना) के तहत आरोप तय हो गए हैं। इससे पूर्व लखीमपुर खिरी में जिस क्रूर तरीके से मंत्री के बेटे ने हिंसक घटना को अंजाम दिया गया, उसकी वीडियो भी वायरल हुई। इसके बावजूद सम्बन्धित मंत्री महोदय से न तो इस्तीफा लिया गया, न एक जिम्मेदार पद पर होने की नैतिकता के निर्वहन के लिए इस मामले में न्याय होने तक स्वयं इस्तीफे की कोई पेशकश की गई। वर्तमान दौर पर निगाह डालें तो राजनीति में संवेदना, मयार्दा और नैतिकता लगातार छिजती जा रही है। जो न केवल राजनीति पर ही सवाल खड़ा नहीं करती, बल्कि मानवीय संवेदना को भी कठघरे में लाती है। अभी तक अमीर बापों की नशे में धुत संतानों द्वारा गरीब लोगों को कुचलकर मार डालने के मामले ही सामने आते रहे हैं। लेकिन जब कभी समाज में अमीर और रसूखदार लोगों द्वारा जघन्य अपराध किये गये, तो पूरे समाज ने विरोध में उतरकर अपने सभ्य होने का प्रमाण दिया। नैना साहनी तंदूर हत्याकांड हो या नितीश कटारा मर्डर केस या निर्भया का मामला, इन मामलों पर पूरे समाज ने एकजुटता दिखाई, लेकिन लखीमपुर खीरी, बृजभूषण की घटना हमें सोचने के लिए मजबूर करती है कि मानवीय संवेदना का स्तर लगातार कम होता जा रहा है या हम एक निष्ठुर और असंवेदनशील समाज होने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं? राजनीति में अनैतिकता तरह-तरह से पांव पसार रही है। दलबदल, नेताओं पर बदले की भावना से हो रही कार्रवाइयां भी अनैतिकता के ही उदाहरण हैं। शरद पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व में राकांपा के विधायकों द्वारा दल-बदल कर पिछले दिनों शिंदे की शिवसेना-भाजपा सरकार के साथ जाने से इस बात का पदार्फाश हो गया है कि जो नेता चाहते हैं, वे खुद को सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को बेच देते हैं और यह सब काम बड़ी सटीकता से किया जाता है तथा इसमें मनों का मेल, विचारधारा, सिद्धान्त, नैतिकता या व्यक्तिगत पसंद आदि जैसे कोई बहाने नहीं बनाए जाते। नैतिकता एवं मूल्यों की वकालत करने वाली भारतीय जनता पार्टी भी राजनीतिक जोड़तोड़ के लिये मूल्यों से मुंह फेरने लगी है एवं स्मार्ट राजनीतिक प्रबंधन के लिए जानी जाती है। प्रलोभन तथा धमकाने के लिए राज्य तंत्र एवं सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर उसने भी नैतिकता को ताक पर ही रखा है।

राजनीति में सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं और मयार्दा के हमाम में सब नंगे हैं- यह राजनीतक का एक कटू सच है। बिहार के नीतीश कुमार, पिछले वर्ष अगस्त तक जब जद (यू) ने पाला नहीं बदला था, वह मोदी का गुणगान कर रहे थे, किंतु अपने मित्र से दुश्मन और दुश्मन से मित्र बने लालू की राजद के साथ सरकार बनाने से उनका रुख बदल गया है। ऐसा लगता है राजनीति में अब नैतिकता भी जीना सीख गई है। वह आधुनिक ख्यालों में पूरी तरह स्वतंत्र, मयार्दा एवं नैतिकताविहीन विचारधारा की हो गयी है। सारे राजनेता राजनीतिक दलों के नंगे बदन को देखकर भी विचलित नहीं होते, फिर भी आम लोग या फटे कपड़ों से ढके भूखे लोगों को आशा हैं कि राजनीति की नैतिकता किसी तरह पूरी तरह ढक जाए।

लाल बहादुर शास्त्री एवं अटल बिहारी वाजपेयी की उच्च राजनीतिक परम्पराओं वाले देश में अपनी जिम्मेदारी को तय करते हुए स्वयं इस्तीफे की उम्मीद तो खैर आज के इस दौर में बेमानी ही समझनी चाहिए, क्योंकि यह वह दौर नहीं है, जब राजनेता अपने विभाग से सम्बन्धित किसी और की गलती पर भी इस्तीफा दे दिया करते थे या एक मत के लिये सरकार को गिरने देते हैं। खुद को कानून से ऊपर समझने की फितरत रखने वाले भारतीय राजनेताओं एवं मंत्रियों के लिए छोटे से देश न्यूजीलैंड से आई खबर निश्चित ही अनुकरणीय है। प्रश्न है कि न्यूजीलैंड की तरह हमारा देश कानून का सख्ती से पालन एवं नैतिक निष्ठा दिखाने में कब तक निस्तेज बना रहेगा? न्यूजीलैंड में न केवल कानून सख्त हैं बल्कि नैतिकता और मयार्दा के मामले में राजनेता दूसरे देशों के मुकाबले कहीं ज्यादा सतर्क हैं। वहां की न्याय मंत्री को छोटी-सी घटना पर न केवल तीन-चार घंटे पुलिस स्टेशन में भी रहना पड़ा था बल्कि इस्तीफा भी देना पड़ा। वहां के प्रधानमंत्री ने न्याय मंत्री का इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। नजीर पेश करने का यह न्यूजीलैंड में कोई अकेला उदाहरण नहीं है। इस साल के शुरू में ही वहां की तत्कालीन पीएम जेसिंडा अर्डर्न ने यह कहते हुए पद से इस्तीफे का ऐलान कर दिया था कि अब उनके पास काम करने के लिए ऊर्जा नहीं बची है।

भारत में प्रजातंत्र और राष्ट्रवादः क्या सोचती है दुनिया

राम पुनियानी

मणिपुर में जारी हिंसा के शिकार मुख्यतः निर्दोष लोग हो रहे हैं। वे शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इस बीच प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं जारी हैं। अपने पूर्व कार्यकाल (2014-19) में उन्होंने विदेश यात्राओं का रिकॉर्ड बनाया था। अपने दूसरे कार्यकाल में कोविड-19 महामारी के कारण उनकी विदेश यात्राओं पर कुछ रोक लगी थी परन्तु महामारी समाप्त होते ही वे एक बार फिर दुनिया भर में घूम रहे हैं। प्रधानमंत्री की यात्राओं के बारे में यह प्रचार किया जाता है कि उनसे दुनिया में भारत की छवि बेहतर हो रही है और मोदी पूरी दुनिया के महान नेता के रूप में उभर रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि दुनिया यह मान गयी है कि भारत न केवल प्रजातंत्र का जनक है वरन एक सफल और जीवंत प्रजातंत्र भी है।

दुनिया में कई ऐसी स्वतंत्र संस्थाएं हैं जो विभिन्न देशों में प्रजातान्त्रिक आजादियों की स्थिति पर नजर रखती हैं। इन सूचकांकों में भारत का स्थान गिरता ही जा रहा है और अधिकांश में वह सबसे निचले पायदान के करीब है। कई मुस्लिम-बहुल देश नरेन्द्र मोदी को सम्मानित कर रहे हैं परन्तु इन सभी के शासक तानाशाह हैं और केवल व्यापारिक और रणनीतिक कारणों से भारत से जुड़ रहे हैं। उनकी तुलना अमरीका और फ्रांस जैसे पश्चिमी प्रजातंत्रों से नहीं की जा सकती।

पश्चिमी प्रजातंत्रों की दुविधा सबके सामने है। उन्हें आर्थिक, राजनैतिक और सामरिक कारणों से भारत से रिश्ते बनाने पड़ रहे हैं और वे भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन और विशेषकर अल्पसंख्यकों की स्थिति पर खुलकर नहीं बोल पा रहे हैं। मोदी से पहले के दौर में भारत के पश्चिम से रिश्ते अलग किस्म के थे। भारत गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन करता था, देश में प्रजातंत्र जडें पकड़ रहा था और अल्पसंख्यकों की स्थिति उतनी खराब नहीं थी जितनी कि आज है। नेहरु वैश्विक मंचों पर अपनी बात प्रभावी ढंग से रखते थे और वे ईमानदारी से देश में प्रजातंत्र को मजबूत बनाना चाहते थे। उनकी मेधा और प्रतिबद्धता की दुनिया कायल थी। तब से लेकर मनमोहन सिंह के कार्यकाल तक पश्चिमी मीडिया और संस्थान भारत की आतंरिक स्थिति के कभी इतने कड़े आलोचक नहीं रहे जितने की अब हैं। वर्तमान में अमरीका और फ्रांस के सरकारें भले की हमारे प्रधानमंत्री के लिए लाल कालीन बिछा रही हों परन्तु उनके ही देशों में भारत के शासक दल की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं क्योंकि ये नीतियां अल्पसंख्यकों को आतंकित करने वालीं हैं।

प्रधानमंत्री की हालिया अमरीका और फ्रांस यात्रा में उच्च पदासीन लोगों ने भले ही उनकी जय-जयकार की हो परन्तु मोदी के खिलाफ विदेशों में आमजनों ने प्रदर्शन किये, कई प्रतिष्ठित समाचारपत्रों ने उनकी आलोचना करते हुए सम्पादकीय लिखे और यूरोपीय संसद सहित कई प्रमुख संस्थाओं ने उनके खिलाफ प्रस्ताव पारित किये। विरोध प्रदर्शनकारियों और प्रधानमंत्री से असहज करने वाले प्रश्न पूछने वालों को ट्रोल किया गया और भारत के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी करने के लिए उनकी आलोचना की गयी। परन्तु यह साफ है कि इन्टरनेट के युग में समाज के कमजोर वर्गों के साथ दुर्व्यवहार और भेदभाव या उनके खिलाफ अत्याचार को छुपाना मुश्किल है। दुनिया सिकुड़ रही है और निडर पत्रकारों और कार्यकताओं की टोली जमीनी स्तर पर समाज के एक बड़े तबके के मानवाधिकारों के उल्लंघन का पदार्फाश कर रही है। ऐसे मामलों को सरकार या तो नजरअंदाज कर रही है या इस तरह के अन्याय को प्रोत्साहन दे रही है और दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। अमरीका में राष्ट्रपति जो बाइडन मोदी ने गले लगाया तो उन्होंने मोदी को व्हाइट हाउस में पत्रकार वार्ता संबोधित करने के लिए राजी कर लिया। बड़ी मुश्किल से मोदी दो प्रश्नों का जवाब देने के लिए राजी हुए। और इतने ही में उनकी कलई खुल गई। वालस्ट्रीट जर्नल की सबरीना सिद्दीकी के उनसे पूछा कि उनके देश में मुसलमानों और ईसाईयों के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों के मद्देनजर उनकी सरकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों, के साथ भेदभाव रोकने के लिए क्या कर रही है। बाइडन यह प्रश्न मोदी ने नहीं पूछ सकते थे क्योंकि वे भारत को दक्षिण एशिया में अमरीका का मित्र राष्ट्र बनाना चाहते हैं। भारत, पाकिस्तान का स्थान लेगा। पाकिस्तान ने कच्चे तेल के भंडारों पर नियंत्रण स्थापित करने सहित अमरीका के सभी उद्देश्यों और लक्ष्यों की पूर्ती में अपनी भूमिका का निर्वहन कर दिया है और अमरीका के लिए अब उसकी कोई उपयोगिता नहीं बची है। अब चीन की बढ़ती ताकत से मुकाबला करने के लिए अंकल सैम को भारत की दरकार है।

सिद्दीकी के प्रश्न के उत्तर में मोदी ने कुछ सामान्य सी बातें कहीं हम प्रजातंत्र हैं और भेदभाव नहीं करते आदि। इसके बाद भारत की सुप्रशिक्षित ट्रोल आर्मी को सिद्दीकी के पीछे छोड़ दिया गया। ट्रोलिंग इतनी भयावह थी कि व्हाइट हाउस के प्रवक्ता को उनके बचाव में आगे आना पड़ा। व्हाइट हाउस ने कहा कि वह पत्रकारों को इस तरह परेशान किये जाने को उचित नहीं मानता। बाइडन जो नहीं कह सके उसे उनके पूर्ववर्ती बराक ओबामा ने कहा। सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार में ओबामा ने कहा कि अगर भारत में अल्पसंख्यकों को संरक्षण नहीं दिया गया तो देश टूट जायेगा। ओबामा को ट्रोल करने की जिम्मेदारी दलबदल कर भाजपा में शामिल हुए हेमंत बिस्वा सरमा ने निभायी। उन्होंने ओबामा के नाम में हुसैन शब्द जोड़ कर कहा कि भारत में बहुत से हुसैन ओबामा हैं जिनसे निपटा जाना है। मोदी के खिलाफ अनेक प्रदर्शन तो हुए ही, भारत में मुसलमानों, ईसाईयों, दलितों और आदिवासियों पर अत्याचारों का विस्तृत विवरण देते हुए अरुंधती राय का लेख न्यूयॉर्क टाइम्स ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। अरुंधती ने इस लेख में अमरीका के पुराने दोस्तों की चर्चा की है। अमरीका ने अपने साथी के रूप में जिन बेहतरीन महानुभावों को चुना है उनमें शामिल हैं ईरान के शाह, पाकिस्तान के जनरल मुहम्मद जिया-उल-हक, अफगानिस्तान के मुजाहिदीन, ईराक के सद्दाम हुसैन, दक्षिण वियतनाम के कई छुटभैय्ये तानाशाह और चिली के जनरल ऑगुस्तो पिनोचे। अमरीका के विदेश नीति का आधार हैः अमरीका के लिए प्रजातंत्र और उसके अश्वेत दोस्तों के लिए तानाशाही।

फ्रांस का मामला भी ऐसा ही है। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और दोनों समृद्ध प्रजातंत्रों की दोस्ती की सराहना की। स्ट्रासबर्ग में लगभग उसी समय यूरोपीय पार्लियामेंट ने भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति, और विशेषकर मणिपुर में हिंसा, पर दुःख और चिंता व्यक्त करते हुए इस उत्तरपूर्वी राज्य में खूनखराबे पर छह प्रस्तावों पर चर्चा की और संकल्प पारित किया। इस संकल्प में ईसाई और अन्य अल्पसंख्यकों की प्रताड़ना और हिन्दू बहुसंख्यकवाद पर चर्चा की गयी है।

मणिपुर के चिंताजनक हालात पर किसी को चिंता नहीं

डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश का पूर्वोत्तर प्रदेश मणिपुर तीन माह पूर्व 3 मई से कुकी और मेइती समुदाय के बीच लगी जातीय हिंसा संघर्ष की आग से झुलस रहा है पर अब तक कोई समाधान नहीं निकला। मणिपुर के इस चिंताजनक हालात को लेकर संसद का मानसून सत्र चर्चा के बजाय हंगामें की की भेंट चढ गया है जहां विपक्ष संसद में इस मसले पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। सत्ता पक्ष विपक्ष की इस मांग को नकारते हुये संसद में इस पर बहस किये जाने की वकालत कर रहा है। इस तरह के परिवेश में मणिपुर का मामला सुलझने के बजाय और उलझता जा रहा है। जहां के हालात और गंभीर होते जा रहे है। इस तरह के चिंताजनक हालात पर किसी को चिंता नहीं, सभी के सभी अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने में लगे हुये है।

वैसे मणिपुर के हालात पर संसद में प्रधानमंत्री के बयान दिये जाने की विपक्ष की मांग करना जायज है। प्रधानमंत्री को इस मामले पर अपना स्पष्टीकरण देकर स्पष्ट करना चाहिए कि मणिपुर के चिंताजनक हालात को दूर करने के लिये सरकार क्या कदम उठाने जा रही है। पर यह मामला प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। जब कि जहां इस तरह की घटना घट रही हो, उसे रोकने का दायित्व वहां की सरकार का है। आज केन्द्र में जिस राजनीतिक दल की सरकार है, उसी राजनीतिक दल की सरकार मणिपुर में भी है। मणिपुर की घटनाओं को त्वरित गति से रोके जाने के प्रयास होने चाहिए, पर इस मसले पर राजनीति कुछ ज्यादा ही हो रही है।

इस तरह के हालात के बीच मणिपुर राज्य में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर आम सड़क पर चारों ओर भीड़ एवं पुलिस प्रशासन के सामने घुमाये जाने का सोशल मीडिया पर वायरल विडीओ ने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया । उसे देखकर ऐसा लगता है कि इस घटना ने द्वापर युग के महाभारत काल के चीर हरण घटना को भी पीछे छोड़ दिया हो। वहां तो द्रौपदी की लाज बचाने के लिये तो कृष्ण थे पर यहां इन महिलाओं की लाज बचाने के लिये कोई आगे नहीं आया। सभी को सुरक्षा देने का संकल्प लेने वाली पुलिस भी भीड़ की तरह इस शर्मसार दृश्य का नजारा देखती रही। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया। वहां की सरकार एवं प्रशासन पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया। विपक्ष इस घटना को लेकर ससंद में चर्चा की मांग कर रहा है तो सरकार चर्चा कराने की बात कर रही है पर इस घटना को लेकर दोनों पक्ष की ओर से फिलहाल समाधान निकालने के बजाय केवल एक दूसरे पर टिका टिप्पणी का उभरता महौल दिखाई दे रहा है। इस घटना के संदर्भ में केन्द्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को ठोस कदम उठाये जाने की बात के अलावे अभी कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहा है। विपक्ष मुख्यमंत्री हटाने की मांग कर रहा है तो सत्ता पक्ष पूर्व में राजस्थान, पं. बंगाल एवं विपक्ष से जुड़े अन्य राज्यों में महिलाओं के साथ घटित घटनाओं पर वहां के मुख्यमंत्री हटाये जाने की मांग कर रहा है। इस तरह की ओछी राजनीति का शिकार मणिपुर हो रहा है।

आज भी मणिपुर जल रहा है। इस मसले पर विपक्ष यह जानते हुये कि सत्ता पक्ष के पास स्पष्ट बहुमत है संसद में अविश्वास प्रस्ताव ला रहा है। निश्चित है कि विपक्ष का यह प्रस्ताव सत्ता पक्ष की वर्तमान बहुमत के आगे गिर जाएगा पर मणिपुर के हालात इससे नहीं सुधरेंगे। विपक्ष को मणिपुर हालात सुधारने के लिये सत्ता पक्ष पर आंदोलन, सकरात्मक बहस के माध्यम से दबाव बनाये रखना चाहिए। संसद से पलायन इस मुद्दे का कोई हल नहीं निकाल सकेगा। वर्तमान हालात यहीं दर्शा रहे है मणिपुर के चिंताजनक होते जा रहे हालात पर सही मायने में किसी को चिंता नहीं, जिससे हालात और बिगड़ते जा रहे है।

कड़ी सुरक्षा के साये में बीता दसवीं मोहर्रम का जुलूस

अखाड़े के फनकारों का प्रदर्शन रहा आकर्षण का केन्द्र, प्रशासन ने ली राहत की सांस

मोहम्मद अरशद

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। नगर में दसवीं मोहर्रम पर यौम-ए आशूरा का जुलूस शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला गया। देढ़ दर्जन ताजिये को देरशाम कर्बला में दफन किया गया। जुलूस में शामिल अखाड़े अपने फन का प्रदर्शन करते चल रहे थे । दोपहर में अलग-अलग चौक से ताजियेदार ताजिये के साथ तबल बजाते हुए फातिमान गेट पहुँचे, जहां फातिहा पढ़ने के बाद जुलूस एक साथ कर्बला के लिए प्रस्थान किया। विभिन्न चौक के ताजियेदार के साथ जुलूस में शामिल अखाड़ा रौनक-ए इस्लाम और अखाड़ा भुलई शाह के फनकार अपने फन का मुजाहिरा किया। इस दौरान डीजे पर हजरत इमाम हुसैन की याद में मातमी धुन से लोगे की आँखे नम हो जा रही थी । देर शाम जुलूस कर्बला पहुंचा जहा ताजिये को दफन किया गया। ताजियेदार पुनः अपने-अपने चौक पर वापस लौट गए। पूरब मोहल्ला, सराय, कासिमपुर, बरतल, बारा, निराला चौक, अजानशहीद, डोभी कासिमपुर, शाहापुर समेत देढ़ दर्जन ताजियेदार शामिल रहे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल चौकस रही। खुफिया एजेंसी एलआईयू के लोग भी जुलूस की मॉनीटरिंग करते दिखे । चौकसी के मद्देनजर ड्रोन कैमरे से निगरानी नही की गई। जुलूस सम्पन्न होने तक मुख्य मार्ग पर रुट डाइवर्जन रहा। इस मौके पर प्रमुख रूप से एसडीएम शैलेंद्र कुमार, चेयरमैन वसीम अहमद, मो असलम खान, शमीम अहमद, जगदम्बा पांडेय,शम्स तबरेज अहमद, महमूद खान, शकील आतिश, परवेज अहमद, गुफरान फारूकी, मो दानिश, मो तालिब समेत पीस लोग शामिल रहे ।

चप्पे चप्पे पर पुलिस की रही नजर- खेतासराय(जौनपुर)। सुरक्षा के लिहाज से बेहद अतिसंवेदनशील खेतासराय कस्बा की कड़ी निगरानी में लिए पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस फोर्स की बंदोबस्त किया है । डिप्टी एसपी शाहगंज शुभम तोदी ने बताया कि पुलिस लाइन से चार निरीक्षक, दस उपनिरीक्षक, 50 कांस्टेबल तथा हेड कांस्टेबल, डेढ़ सेक्शन पीएसी, महिला सिपाही व अग्निशमन दस्ता की तैनाती रही । कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। एसएचओ राजेश यादव फोर्स के साथ मुस्तैद दिखे । सादे ड्रेस में भी पुलिस के जवान मौजूद रहे ।

मेडिकल उपचार न होने पर पीड़ित ने किया हंगामा

चिकित्सा प्रभारी समेत अन्य डाक्टर रहे नदारद

प्रखर जौनपुर। सरायथाना क्षेत्र के अतरौरा के निवासी महिला मारपीट में घायल थी उपचार व मेडिकल के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंरजाकला ले गए ,लेकिन चिकित्सा प्रभारी समेत अन्य डॉक्टर नदारद रहे, दिन भर बैठे रहे शाम को उन्हें पुलिस वापस लेकर लौट गई। इस दौरान पीड़ित ने जमकर हंगामा किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंरजाकला में डॉक्टरों की लापरवाही के चलते आए दिन मरीज हंगामा करते हैं, शनिवार को अतररौरा गांव की निवासी 26 वर्षीय सहाना उर्फ गुलिस्ता मारपीट में घायल हो गए थी, जिसे उपचार के लिए उसका पति जावेद आलम व सरायख्वाज पुलिस लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंरजाकला में करीब 11 बजे पहुंची, तो वहां मौजूद फार्मासिस्ट ने कहा कि डॉक्टर के आने के बाद ही उनका उपचार होगा और मेडिकल भी कराया जाएगा । बैठे-बैठे शाम 4 बज गया। प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ अरुण यादव समेत अन्य डॉक्टर वहां नहीं आए जिसके बाद और भी मरीज वहां मौजूद थे, सभी मरीजों ने मिलकर डॉक्टर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया हंगामा शुरू कर दिया। पाच बजे बिना मेडिकल कराया घायल को पुलिस लेकर थाने लौट गई । जबकि और अन्य भी मरीज बगैर दवा लिए वापस लौटे सहाना का कहना है कि वह सुबह से चोट से रक्तस्राव हो रहा था कोई उपचार नहीं मिल पाया और डॉक्टर का इंतजार करते रहे उन्हें फोन लगाया गया लेकिन फोन बंद था ।दवा के लिए आए अजीत सिंह ने भी आरोप लगाया कि सुबह से दबा के लिए बैठे हैं। डॉक्टर मौजूद न रहने पर उन्हें कोई दवा नहीं दी गई। पाले गौतम ने भी कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आए दिन डाक्टर गायब रहते हैं, एक फार्मासिस्ट के भरोसे यहां सेवाएं दी जा रही है। इस दौरान डॉक्टर के खिलाफ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और कहां मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से की जाएगी।

एनडीआरएफ का बृहद पौधारोपण अभियान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक, 11 एनडीआरएफ के नेतृत्व में साहूपुरी, चंदौली मे बृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया` मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक ने बताया कि एनडीआरएफ राहत-बचाव कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी अहम भूमिका निभाती आई है और राज्य सरकार को सहयोग करते हुए पौधारोपण अभियान के तहत बृहद पैमाने पर फलदार एवं छायादार पौधों को लगाया गया है` वाहिनी के बचाव कर्मियों के द्वारा वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बहराइच, लखीमपुर खीरी एवं तैनाती वाले अन्य जिलों में भी लगातार पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है आज भी एनडीआरएफ के अधिकारियों एवं बचाव कर्मियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लेकर विभिन्न प्रकार के सैकड़ों फलदार एवं छायादार पौधों को लगाया है तथा हरित पर्यावरण के महत्व के बारे में संदेश दिया गया है` एनडीआरएफ टीमों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे भी पौधारोपण अभियान लगातार जारी रहेगा।

गोली मारकर सर्राफ से एक लाख की लूट

जौनपुर। जिले के थाना बरसठी क्षेत्र में शुक्रवार की रात में बदमाशों ने गोली मारकर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। बदमाशों ने सराफा कारोबारी को गोलीमार कर बाइक और एक लाख का आभूषण लूट लिया। सरार्फा कारोबारी बाइक पर पीछे बैठा था। उसका भाई बाइक चला रहा था। गोली लगने से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताते है कि बंधवा बाजार निवासी मोहन लाल सेठ के दो पुत्र 22 वर्षीय मनोज और 20 वर्षीय विनोद बरसठी थाना क्षेत्र के हनुमान नगर बारी गांव में आभूषण की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार की रात दोनों भाई दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे।

विद्युत विभाग की लापरवाही से संविदाकर्मी की झुलसकर मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के मनिया गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास शनिवार की सुबह ट्रांसफार्मर से 11 हजार की लाइन का तार जोड़ते समय संविदा कर्मी मन्नू सिंह कुशवाहा 32 बर्ष की बिजली की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। ग्रामीणों की मदद से उसे इलाज के लिए मुहम्दाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताते चले कि मृत संविदाकर्मी ग्राम नारायणपुर जनपद बलिया का निवासी था। वही संविदा कर्मी मन्नू की मौत की खबर से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। मन्नू पिछले तीन वर्षों से संबिदाकर्मी लाइनमैन के रूप में कार्य कर रहा था। वह अपने मां बाप का इकलौता पुत्र था, जो की बिजली विभाग में कार्य कर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसकी मौत से उसके परिवार पर दुःखों का पहाड़ सा टुट गया है। इस घटना से उसकी मां पवित्री देवी, पत्नी अनीता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है, उसकी एकमात्र संतान डेढ़ बर्ष की पुत्री मुन्नी है। मृतक संविदा कर्मी मुन्नू कोटवा विद्युत सब स्टेशन पर पिछले तीन वर्षों से लाइनमैन के पद पर कार्यरत था। बताया जाता है कि गाम़ीणों की शिकायत पर वह मनियां गांव में सट डाउन लेकर ट्रांसफार्मर का तार जोड़ रहा था की इसी बीच किसी ने विधुत आपूर्ति चालू कर दी। जिसके कारण वह बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। गाम़ीणों की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के सम्बन्ध में पभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार राय ने बताया कि कोतवाली में उसके मौत की सूचना मिली है साथ ही मेमो भी मिला है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। इस घटना से बिभाग के प्रति संविदा कर्मियों में बेहद रोष व्याप्त है, आश्चर्य तो यह है कि इस घटना के बावत जब बिभाग के अधिकारियों से संपर्क साधने की कोशिश किया गया तो बिजली बिभाग के जे ई सहित सभी अधिकारियों का नम्बर पहुंच से बाहर ही बताता रहा। फिलहाल मात्र 6 माह के अंदर ही हुई तीसरे लाइनमैन की मौत से शासन एवं बिभाग की संवेदनहीनता से आमलोगों में बेहद गुस्सा है।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग भाजपा की मजबूती के लिए सच्ची निष्ठा के साथ कार्य करते चले आ रहे हैं - संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित किए जाने से उत्साहित पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने राष्ट्रीय हाईकमान का आभार प्रकट करते हुए भारतीय जनता पार्टी के तीसरी बार राष्ट्रीय महामंत्री पद पर नियुक्त किए गए तरुण चुग से पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने नई दिल्ली स्थित कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट कर रुद्राक्ष की माला पहनाकर अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया` इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने भाजपा राष्ट्रीय हाईकमान द्वारा तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग भाजपा की जो बड़ी जिम्मेदारी दी गई है उससे भाजपा के देश भर के तमाम कार्यकर्ता उत्साहित है उन्होंने कहा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एक ओजस्वी, ऊजार्वान, मिलनसार सभी भाजपा के छोटे-बड़े कार्यकताओं को साथ लेकर भारतीय जनता पार्टी की मजबूती के लिए निरंतर पूरे भारतवर्ष में एक नई ऊर्जा का संचार करते चले आ रहे हैं उन्होंने यह भी कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा द्वारा संयुक्त रूप से भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को जो भी जिम्मेदारियां दी गई हैं उन जिम्मेदारियों का निर्वाह सच्ची निष्ठा के साथ कार्य करने की शैली प्रशंसनीय है` चोपड़ा ने कहा भाजपा के सभी शीश नेता पदाधिकारी जो नियुक्त किए गए हैं वह सब बधाई के पात्र हैं` इस अवसर पर पूर्व सदस्य केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, भाजपा नेता आलोक मिश्रा ने कहा आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में बंपर जीत के साथ भारतीय जनता पार्टी ही केंद्र में स्थापित होगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का गौरव हासिल करेंगे, भाजपा के कार्यकताओं सहित देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर अपना विश्वास जताएगी` भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तीसरी बार तरुण चुग को बनाए जाने से उत्साहित भाजपा कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह का आभार प्रकट करते भाजपा कार्यकताओं में मनोज कुमार, राजेंद्र पाल, मोहनलाल, ओमकार जैन, गौरव चौधरी, विवेक, राजेश खुराना, श्यामलाल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मेडिकल कॉलेज के अंदर कराया जा रहा है अवैध खनन

कॉलेज के प्रिंसिपल ने डीएम समेत अन्य अधिकारियों से की शिकायत, बाहर से मिट्टी मंगाने पर लाखों का किया गया हेरा फेरी, निर्माण एजेन्सी अपने ही रिश्तेदारों के एजेंसियों पर किया पेमेंट

प्रखर जौनपुर। उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सिद्धिकपुर मेडिकल कॉलेज के भीतर ही बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी बाहर से मिट्टी मनाने का हवाला देकर लाखों का हेराफेरी कर चहेतों को भुगतान किया। अब मेडिकल कॉलेज में बड़े-बड़े गड्ढे बनते जा रहे हैं। इस मामले की शिकायत मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने डीएम समेत अन्य अधिकारियों से की है निमार्णाधीन उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में मिट्टी के नाम पर लाखों रुपए की हेराफेरी बड़े पैमाने पर की गई।

परिसर के भीतर से ही मिट्टी को उठाकर विभिन्न भवनों रास्तो में पाटा जा रहा है। बाहर से मिट्टी मंगाने के नाम पर चहेतो के नाम पर भारी-भरकम भुगतान किया। मिट्टी अवैध खनन का काम बड़े पैमाने पर जारी है। अंदर से मिट्टी की खुदाई कर विभिन्न भवनों में डाल रहे हैं और पेमेंट बाहर के रेट का भुगतान किया जा रहा है। हॉस्पिटल के बिल्डिंग के पीछे वाले रोड पर मिट्टी डाली गई है और थोड़ी दूर खाली स्थान से खुदाई की गई है। ऑक्सीजन प्लांट के थोड़ी दूर से मिट्टी खुदाई की गई। अंदर इन्सीनरेटर,आवास के पास से हरे पेड़ों की कटाई कर-के मिट्टी उठाई जा रही है ,जबकि कागजों अभिलेखों में बाहर से मिट्टी मंगाया दिखाया जा रहा है। जिसका भारी-भरकम पेमेंट किया गया। सूत्रों की मानें तो मिट्टी के नाम पर लाखों रुपए का भुगतान कर हेराफेरी की गई है। जबकि अभी मिट्टी खोदने का सिलसिला जारी है। निर्माण एजेंसियों के जिम्मेदार अपने रिश्तेदारों से काम कराकर चहेतो के फर्म पर भुगतान कर रहे हैं । इस मामले की चर्चा है कि मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डा शिवकुमार ने जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को मेडिकल कॉलेज में हो रहे अवैध खनन की शिकायत कर चुके हैं। लेकिन अवैध खनन रुक नहीं रहा है।

मिट्टी की खुदाई की गई है लेकिन जहां मिट्टी के टीले थे या ढेर था ।जहां मिट्टी की कोई आवश्यकता नहीं वहां से मिट्टी खोदी गई है और दूसरे भवनो में डाली गई। अवैध खनन नहीं किया जा रहा है । भुगतान अंदर का किया गया या बाहर का इस पर हम कुछ नहीं कह सकते। लोग अफवाह उड़ा रहे हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर पीएन सिंह का कहना है कि पहले की खोली गई है यह मामला पहले का है।

आर.के. सिंह
आर .ई. (रेजिडेंट इंजिनियर)
राजकीय निर्माण निगम
मेडिकल कॉलेज

विकास भवन में जिलाधिकारी वाराणसी और मुख्य विकास अधिकारी के साथ राकेश कुमार सिंह जिलाध्यक्ष की हुई बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विकास भवन में मीटिंग हॉल में जिलाधिकारी वाराणसी और मुख्य विकास अधिकारी के साथ हुई बैठक` वाराणसी जिला के 694 ग्राम सभा में पानी का स्टेटस भागने से जल का संकट बैठक में जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने जिला अधिकारी से गांव सभा के 80 प्रतिशत हैंड पंप पानी छोड़ दिया है गांव सभा में बजट रहने के कारण हैंडपंप बनवाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है` जिलाधिकारी महोदय से जिलाध्यक्ष निवेदन किया कि जिले से ग्राम सभा को कुछ बजट दिया जाए जिससे हैंडपंप बनवाने में सहायता हो सके इतना ही नहीं जिले में ट्यूबेल एमपी से भी पानी छोड़ दिया है इस समय सबसे ज्यादा किल्लत सेवापुरी ब्लॉक आराजी लाइन ब्लॉक में चल रहा है यदि बजट नहीं दिया गया तो प्रधान भी हैंड पंप बनवाने से हाथ उठा देंगे` गावों में जल स्त्रोत नीचे चले जाने से सैकड़ों हैण्डपम्पों ने पानी छोड़ा, ग्रामीण चिंतित रामेश्वर पंचक्रोशी के तीसरे तीर्थ पड़ाव स्थल रामेश्वर इलाके में एक सप्ताह पूर्व से जलस्रोत नीचे चले जाने से गावों में लगे हैण्डपम्पों से पानी नही निकलने से ग्रामीण काफी चिन्तित एवं परेशान है` ग्रामीणों ने बताया इधर एक सप्ताह से हैण्डपम्प पानी छोड़ रहा था तो लोगो ने सोचा कि कोई तकनीकी खराबी होगी लेकिन धीरे धीरे हर क्षेत्र से हैण्डपम्प से पानी नही निकलने की शिकायत जब सामने आयी तो लोगो ने ग्राम प्रधान से सम्पर्क कर जांच करवायी` जांच करने गये मैकेनिक ने बताया कि हैण्डपम्पों में कोई खराबी नही बल्कि क्षेत्र में जलस्रोत नीचे चले जाने के कारण हैण्डपम्प पानी छोड़ दिया है लोगो ने बताया कि हैण्डपम्प चलाने पर पानी न निकलकर एयर बनाकर झटका मार रहा है झटका इतना तेज है कि होशियारी न बरतें तो चोट लग जाय `प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि जिले के आठो ब्लॉक के ब्लॉक अध्यक्ष हमें फोन करके अवगत कराएं की इस समय जल की बहुत ही संकट है अध्यक्ष जी इस पर अधिकारियों से बात करिए तो प्रधान प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से हैंड पंप के समस्याओं से अवगत कराएं` इस समय समस्या पूरे जिले में आ गया है गांवों में हैण्डपम्पों से पानी आना बंद हो गया है पानी का जलस्रोत एकाएक नीचे चले जाने से हैण्डपम्पों के अलावा निजी नलकूप व राजकीय नलकूप भी पानी छोड़ रहे है पानी का जलस्रोत नीचे जाने की खबर इन दिनों क्षेत्र में जंगल मे आग की तरह फैल गयी है पानी के जलस्रोत को लेकर ग्रामीण काफी चिंतित एवं परेशान है `ग्रामीण पानी पीने के लिये दूसरे के नलकूप का सहारा लेकर बाल्टियों में पानी भरकर ला रहे है नजारा देखना है तो इन इलाकों में हैण्डपम्पों की स्थिति को देखा जा सकता है इस समस्या के प्रति प्रधान संघ के संरक्षक जगापट्टी के ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह यादव ने कहा कि जल स्त्रोत नीचे चले जाने के कारण क्षेत्र के लोग परेशान है ग्रामीण हैंडपंप का सामान लेने के लिए प्रधान के यहाँ दौड़ लगा रहे है ग्राम प्रधानों ने अपनी मजबूरी बताया कि खाते में पैसा नही है सामग्री कहा से दिया जाय` इस समस्या को लेकर ग्राम प्रधानों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी से मिलकर एक पत्रक देकर इस समस्या की ओर ध्यान देने की पुरजोर मांग की है` प्रतिनिधि मंडल में प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, संरक्षक, ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह यादव, ब्लाक अध्यक्ष नितिन सिंह,गगन सिंह,कैलाश यादव, ओमप्रकाश वर्मा, निशार अंसारी,संजय यादव सहित अन्य लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

देश के राशन डीलरो को चाहिए 50000 मानदेय : गिरीश तिवारी

प्रखर दिल्ली। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय कन्वेंशन में राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी ने कहा कि अब बहुत हो चुका अब देश के राशन डीलरो को 50000 मानदेय चाहिए। जो राशन डीलर 80 करोड गरीब जनता को खाद्यान्न वितरण करती है। उसके बच्चे भुखे सोये अब यह बर्दाश्त नहीं होगा। हमारे राष्ट्रीय महासचिव विशम्भर बासु जी ने कहा कि अगर 15 जनवरी तक केन्द्र सरकार देश के राशन डीलरो को मानदेय नहीं देती है तो 16 जनवरी को रामलीला मैदान दिल्ली में देश के 5 लाख 30 हजार राशन डीलर दिल्ली को बन्द कर देंगे। इस बार आर पार की लड़ाई लडी जायेंगी। कन्वेंशन में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ओमकार नाथ झा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रह्लाद मोदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राजेश तिवारी टी एन पाटिल दिल्ली के अध्यक्ष शिवकुमार गर्ग रामदेव सिन्हा लक्ष्मीना उल ई तथा देश के कोने कोने से राशन डीलर मौजूद थे।

मोहर्रम की दशवी का ताजिया में या हुसैन की सदाओं से गूंजे गली-मुहल्ले

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मोहर्रम की दसवीं का ताजिया जुलूस शनिवार को सुबह व शाम में पूरी शान-शौकत के साथ निकला। या हुसैन या हुसैन की सदाओं के बीच विभिन्न अखाड़ी ने शहर के मुख्य मार्गों पर हैरत में डालने वाले करतब दिखाए। मुहर्रम पर शहर सहित मुस्लिम बहुल ग्रामीण क्षेत्रों में ताजिया निकाल उन्हें कर्बला में दफन किया गया। जुलूस के दौरान शाहदा-ए-कर्बला की मातमपुर्सी की गई। पैगंबर-ए-इस्लाम के नवासे हजरत इमाम हुसैन एवं दिगर शोहदा-ए-कर्बला की शहादत की याद में पूरे दिन मजलिस-ओ-मातम किया गया। या अली, या हुसैन की सदाओं से मुहल्ले गूंज उठे। अकीदतमंदों ने चौक पर ताजिये रखे। मजलिस-ओ-मातम, नौहाख्वानी जंजीर का मातम किया गया। मातम करने वालों के खून से रंगे शरीर इमाम हुसैन के शहादत की गवाही दे रहे थे। प्रशासनिक अमला पुरी तरह चौकस दिखा। कई जगहों पर ताजियों की मिलनी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। युवकों द्वारा युद्ध कला का जोरदार प्रदर्शन किया गया।

पुलिस आयुक्त वाराणसी अशोक मुथा जैन व अधिवक्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से किया गया वृक्षारोपण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शिवपुर गणेशपुर में अधिवक्ताओं द्वारा बृहद रूप से वृक्षारोपण का कार्यक्रम वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप कुमार सिंह के संयोजन में वाराणसी के पुलिस आयुक्त अशोक मुथा जैन के कर कमलों से संपन्न हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात एक संगोष्ठी में अनूप सिंह द्वारा यह बताया गया कि आज हम अधिवक्ताओं द्वारा 51 छायादार वृक्ष रोपित किया गया है साथ ही हम सब जो भी वृक्ष आज रोपित किए हैं वह सारे वृक्ष का देखरेख अपने परिवार के एक सदस्य के रूप में करेंगे व इसकी सारी जिम्मेवारी उद्योगपति आलोक अग्रवाल ने अपने ली है आलोक अग्रवाल ने कहा कि जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों की रक्षा करते हैं उसी तरह प्रण करते हैं कि सारे रोपित वृक्ष की रक्षा अपने परिवार के सदस्य के तरह ही करेंगे और यह कर्म हमारे लिए बेहद सुखदायक रहेगा।

वृक्ष लगाओ वृक्ष बचाओ का दिया संदेश

जौनपुर। गौराबादशाहपुर के पिलखिनी स्थित सुधाकर सिंह फाउंडेशन महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक डा.अजय पाल शर्मा व जेल अधीक्षक एसके पाण्डेय ने पौधरोपण कर वृक्ष लगाओ वृक्ष बचाओ का संदेश छात्र छात्राओं को दिया। कालेज के प्रबंधक डा. अरविंद सिंह व प्राचार्य डा. रूबी राय ने अतिथियों को बुके देकर स्वागत किया। इस मौके पर राहुल सिंह, मनीष सिंह, संतोष सिंह आदि मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में चली लाठियां, दो घायल

जौनपुर। शनिवार को साढ़े ग्यारह बजे जमीनी विवाद में लाठियां चल गयी। ,जिसमे दो व्यक्तियों को गंभीर चोटे आयी, घटना की सूचना पुलिस को दिया गया। बैनामे की जमीन पर कब्जा कब्जा न कर पाने पर विपक्षी दबंगई से बुआई जोताई कर रहा था कि जब जुताई करने खेत पर आया तो मना करने लगा तो उसे लाठियों से पीटा गया। पीड़ित खुद सिकरारा पर तैनात पीआरडी जवान है।

पीएमश्री जनभागीदारी में हुए विविध कार्यक्रम

जौनपुर। केराकत विकास खंड न्याय पंचायत डेडूवाना गाँव के प्राथमिक विद्यालय में विविध कार्यक्रम के साथ पीएमश्री जनभागीदारी कार्यक्रम का प्रसारण हुआ। विकासखंड का प्राथमिक विद्यालय पीएम श्री में चयनित हुआ। जिसमें पीएम श्री विद्यालय के तहत शिक्षा समागम जनभागीदारी कार्यक्रम के मिनट टू मिनट कार्यक्रम विकासखंड के एक मात्र चयनित विद्यालय डेडुवाना में शनिवार को शिक्षा समागम एवं पीएम श्री जनभागीदारी कार्यक्रम के तहत विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य संतोष राजभर के द्वारा सरस्वती की पूजन अर्चन के साथ शुरू किया गया। उन्होंने बताया की जनमानस के मध्य पीएम श्री विद्यालय की महत्वपूर्ण, उपयोगिताता एवं जागरूकता के लिए शनिवार को शैक्षणिक, सांस्कृतिक, शारीरिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रीन इवेंट के तहत बच्चों और शिक्षकों के द्वारा बृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता, जल संरक्षण, वाद विवाद प्रतियोगिता, स्वच्छता अभिनय आदि कार्यक्रम संपन्न हुए। मां प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण, बृहद वृक्षारोपण और बच्चों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता एवं शैक्षणिक और सांस्कृतिक किया गया।

रतन टाटा को महाराष्ट्र सरकार देगी उद्योग रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा को पहला उद्योग रत्न अवार्ड देने का फैसला किया है। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। सामंत ने बताया कि युवा उद्यमी, महिला उद्यमी और मराठी उद्यमी के लिए भी अवार्ड दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार की तरह जो विशिष्ट व्यक्तियों को दिया जाता है, राज्य सरकार ने रतन टाटा को उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और उद्योग मंत्री की एक समिति ने बैठक की थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

छोटा राजन दत्ता सामंत मर्डर केस से बरी

मुंबई, (एजेंसी)। सीबीआई की एक विशेष कोर्ट ने गैंगस्टर छोटा राजन को ट्रेड यूनियन लीडर दत्ता सामंत की हत्या के मामले में बरी कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 1997 के इस केस में कोर्ट ने छोटा राजन को सबूतों के अभाव में बरी किया है। कोर्ट ने कहा कि उसके सामने ऐसा कोई सबूत नहीं पेश किया गया है, जिससे ये साबित होता हो कि छोटा राजन ने दत्ता सामंत की हत्या की साजिश रची थी। छोटा राजन का वास्तविक नाम राजेंद्र सदाशिव निकलजे है। हालांकि स्पेशल कोर्ट के इस फैसले से छोटा राजन की रिहाई होने की संभावना नहीं है, क्योंकि उनके खिलाफ अलग-अलग शहरों में कई केस चल रहे हैं।

सिंगापुर में 20 साल में पहली बार महिला को दी गई फांसी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिंगापुर में शुक्रवार को एक महिला को फांसी दे दी गई। पिछले 20 साल में पहली बार वहां किसी महिला को फांसी दी गई है। सारिदेवी जमानी नाम की इस महिला को 2018 में 30 ग्राम हेरोइन की तस्करी का दोषी पाया गया था। 45 साल की ये महिला सिंगापुर की नागरिक थीं। तीन दिनों में ये दूसरी बार है जब सिंगापुर में किसी व्यक्ति को नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए मौत की सजा दी गई। सिंगापुर में इस सप्ताह नशीले पदार्थ की तस्करी के मामले में सजा पाने वाली वो दूसरी शख्स थीं। इससे पहले सिंगापुर के ही रहने वाले मोहम्मद अजीज बिल हुसैन को फांसी दी गई है। अजीज पर 50 ग्राम हेरोइन की तस्करी का आरोप था।

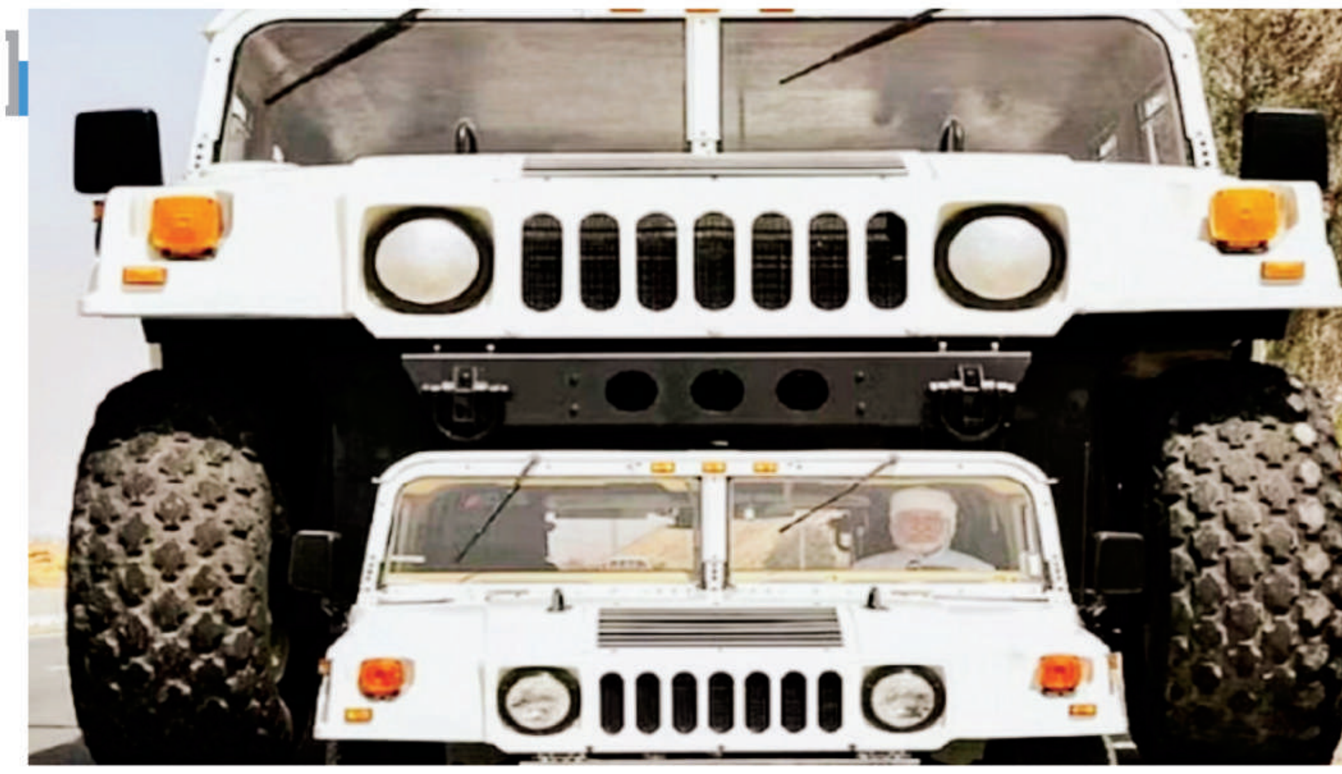

गाड़ी नहीं सड़क पर चलता फिरता बंगला है ये हमर!

14 मीटर लंबी

6 मीटर चौड़ी

5.8 मीटर ऊंचाई

लग्जरी लाइफ-स्टाइल और अनोखे अंदाज के चलते आए दिन कोई न कोई सुर्खियों में रहता है। इस समय सोशल मीडिया पर भीमकाय हमर का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि, ये दुनिया का सबसे बड़ी हमर एसयूवी है। जाहिर, है जितनी बड़ी इसकी साइज है इसे देखकर कोई भी दांतों तले उंगलियां दबा लेगा। रेगुलर हमर के मुकाबले ये एसयूवी कई गुना बड़ी है, जो कि अपने आप में सड़क पर चलते-फिरते बंगले से कम नहीं है।

हमर इतनी विशाल, फिर भी सड़क पर चलाना संभव

हमर अमीरों में खासी लोकप्रिय

इस हमर के वीडियो को ट्वीटर पर शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा है कि, इसकी लंबाई 14 मीटर, चौड़ाई 6 मीटर और उंचाई 5.8 मीटर है। खास बात ये है कि, भले ही ये साइज में इतनी विशाल है लेकिन इसे एक रेगुलर कार की ही तरह ड्राइव किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि, ये हमर एच1 'एक्स3' संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सत्तारूढ़ शाही परिवार के सदस्य शेख हमद बिन हमदान अल नाहयान की है। शेख हमद बिन हमदान को इस तरह के अनोखे दिखने वाले वाहनों का काफी शौक है। इंस्टाग्राम पर उनका अकाउंट इस तरह के वाहनों से भरा पड़ा है। बहरहाल, ये हमर उनके कार कलेक्शन का हिस्सा है और इस तरह के तकरीबन सैकड़ों गाड़ियां उनके कलेक्शन में शामिल हैं। इतना ही नहीं उनके कुछ वाहनों ने अपने अनोखे लुक और डिजाइन के चलते वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है। सोशल मीडिया पर इस हमर को देखकर लोग तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने इसे 'हमजिला' नाम दिया है। एक यूजर ने लिखा है कि, वो इसे भी इसे ड्राइव करना चाहते हैं।

दुबई शेख की 46 फीट लंबी और 21 फीट ऊंची विशालकाय जंबो हमर

नई दिल्ली। इंटरनेट पर एक बार फिर विशाल हमर एच1 'एक्स3' का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जो किसी और का नहीं बल्कि गाड़ियों के दीवाने और दुबई के अरबपति शेख हमद बिन हमदान अल नाहयान का है। दुबई के शेख वैसे ही अपनी शान-शौकत से दुनिया भर में मशहूर है। 'दुबई के रेनबो शेख' के नाम से मशहूर, उन्हें अपने पसंदीदा वाहनों के विशाल वर्जन तैयार करने का अनोखा जुनून है। वायरल वीडियो में 'एक्स3 की भव्य मौजूदगी को देखा जा सकता है। क्योंकि यह सड़क पर रेगुलर साइज की कारों की तुलना में कहीं ज्यादा ऊंची है। इस वीडियो पर एक यूजर ने हास्य में कहा, 'यह बहुत बेकार है ...' जबकि दूसरा इसके आकर्षक न दिखने को स्वीकार करने के बावजूद, इसे ड्राइव पर ले जाने की इच्छा जाहिर करने से खुद को नहीं रोक सका।

ये दुनिया की सबसे बड़ी हमर, रेगुलर वाहन की ही तरह आसानी से ड्राइव

4 कार म्यूजियम के मालिक हैं शेख

जहां ज्यादातर लोग एक रेगुलर हमर एच1 को काफी बड़ा मानते हैं, शेख नाहयान के लिए यह बात लागू नहीं होती है। उनके लिए 'बहुत छोटा' एक विदेशी कॉन्सेप्ट है। लगभग 20 अरब डॉलर की अकूत संपत्ति और संयुक्त अरब अमीरात में चार कार म्यूजियम के मालिक हैं। उनके कार कलेक्शन में 'X3' से भी बढ़कर गाड़ियां हैं। इस विशाल हमर के साथ, उनके पास एक विशाल जीप, एक विशाल पावर वैगन और अन्य दिलचस्प रहस्यमय वाहन हैं, जिन्होंने कई लोगों की जिज्ञासा को बढ़ाया है।

शेख की 'एक्स3' की साइज

शेख की 'एक्स3' के साइज की बात करें तो, यह दिमाग चकरा देने वाला हैं। इसकी लंबाई लगभग 46 फीट, ऊंचाई 21.6 फीट और चौड़ाई 19 फीट है। वाहन के हर पहिये पर अलग-अलग डीजल इंजन लगे हैं। यह विशाल वाहन सिर्फ दिखावे के लिए नहीं है। बल्कि यह पूरी तरह से चालू है और इसमें पावरफुल 4-व्हील ड्राइव क्षमताओं का दावा किया गया है।

इंटीरियर

'एक्स3' के इंटीरियर की बात करें तो, वह किसी को इसकी बाहरी भव्यता के मुताबिक न लगे। लेकिन इसमें कुछ आश्चर्यजनक सुविधाएं मिलती हैं। इसमें शौचालय और सिंक लगाया गया है। जो कि शेख के विशाल 1950 पावर वैगन के समान एक शानदार मोबाइल स्पेस में तब्दील होने की संभावना का इशारा करता है, जिसे एक होटल के समान बेडरूम के साथ डिजाइन किया गया है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

इस बीच, गाड़ियों को लेकर शेख की दिलचस्पी सिर्फ हमर तक सीमित नहीं है। उनके पास आश्चर्यजनक रूप से 4म4 क्षमता से लैस 718 वाहन हैं। जिससे उन्हें ऐसी कारों के सबसे बड़े संग्रह के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड मिला है।

क्या है हमर एसयूवी का इतिहास

'हमर' जिसे आज आप आमतौर पर सड़कों पर देखते हैं, ये एक सीविलियन वर्जन मॉडल है। हमर को शुरुआत सेना के लिए एक मल्टी पर्पज व्हीकल के तौर पर तैयार किया गया था। 22 मार्च, 1983 को, पेंटागन ने एएम जनरल कॉर्पोरेशन को 55,000 हाई मोबिलिटी मल्टीपर्पज व्हील्ड व्हीकल्स डेवलप करने के लिए 1 बिलियन डॉलर का ऑर्डर दिया था। इसका संक्षिप्त नाम हम्वी के तौर पर मशहूर हुआ। इसे खास तौर पर सैनिकों के इस्तेमाल और माल वाहक के तौर पर डिजाइन किया गया था जो कि ऊबड़-खाबड़ या खराब रास्तों पर भी आसानी से चलने में सक्षम हो। इसे 1989 में पनामा अटैक और 1990 के दशक की शुरुआत में फारस की खाड़ी युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना द्वारा उपयोग किया गया। अपने खास लुक, पावरफुल इंजन और मजबूती के चलते हमर काफी मशहूर हुई। जिसका नतीजा ये रहा कि, साल 1992 में, आम नागरिकों के लिए हम्वी का सिविलियन वर्जन हमर पेश किया गया। यह एसयूवी शुरुआत में अर्नोल्ड श्वार्जनेगर की हॉलीवुड की फिल्मों में काफी मशहूर हुई। इसके बाद दिसंबर 1999 में, जनरल मोटर्स ने रूजनरल से हमर के सेल्स और मार्केटिंग के राइट्स खरीद लिए और बाद में हमर एच2 और एच3 को लॉन्च किया गया जो कि मूल मॉडल के मुकाबले थोड़ा छोटा था।

जैव विविधता संरक्षण में भारत सबसे आगे: मोदी

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक विशाल विविधता वाला देश है और यह जैव विविधता संरक्षण, संरक्षण, बहाली और संवर्धन पर कार्रवाई करने में लगातार अग्रणी रहा है।

श्री मोदी ने वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए खुशी व्यक्त की कि 'गांधीनगर कार्यान्वयन रोडमैप तथा प्लेटफॉर्म' के माध्यम से, आप जंगल की आग और खनन से प्रभावित प्राथमिकता वाले परिदृश्यों में बहाली को पहचान रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हाल ही में हमारे ग्रह की सात बड़े बाघों के संरक्षण के लिए 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' लॉन्च किया है। यह एक अग्रणी संरक्षण पहल प्रोजेक्ट टाइगर से मिली हमारी सीख पर आधारित है। प्रोजेक्ट टाइगर के परिणामस्वरूप, आज दुनिया के 70 प्रतिशत बाघ भारत में पाए जाते हैं। हम प्रोजेक्ट लायन और प्रोजेक्ट डॉल्फिन पर भी काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत अपने महत्वाकांक्षी 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान' के माध्यम से आगे बढ़ा है।

लक्ष्य से पहले गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल की विद्युत क्षमता

भारत ने 2030 के लक्ष्य से नौ साल पहले गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित विद्युत क्षमता हासिल कर ली है। उन्होंने कहा,''और हमने अपने अद्यतन लक्ष्यों के माध्यम से मानक को और भी ऊंचा स्थापित किया है।आज स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष पांच देशों में से एक है। हमने 2070 तक 'नेट जीरो' हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा, कि हमारा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, सीडीआरआई और 'उद्योग परिवर्तन के लिए नेतृत्व समूह' सहित गठबंधनों के माध्यम से अपने सहयोगियों के साथ सहयोग करने का काम जारी है।

दुनिया भर में इस बार जुलाई का महीना होगा सबसे गर्म

नई दिल्ली। दुनिया भर में इस साल जुलाई का महीना सबसे गर्म होने जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार जुलाई की गर्मी 2019 की गर्मी का रिकॉर्ड भी तोड़ देगी, जबकि अभी इस महीने को बीतने में कुछ और दिन हैं। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल जुलाई पिछले 1,20,000 वर्ष का सबसे गर्म महीना साबित हो सकता है। यूरोप और अमेरिका समेत दुनिया के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप है। कई देशों में भारी लू चल रही है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया ग्लोबल वार्मिंग से आगे बढ़ कर ग्लोबल ब्वॉयलिंग के दौर में पहुंच गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जीवाश्म ईंधन के ज्यादा इस्तेमाल से गर्मी बढ़ रही है। भारत में भी जुलाई में असाधारण गर्मी देखी जा रही है। देश के कई हिस्से बाढ़ का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये ग्लोबल वार्मिंग का नतीजा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन हमारे अस्तित्व के लिए चुनौती बन गया है। अब कोई भी जलवायु परिवर्तन की सच्चाई से इनकार नहीं कर सकता है।

टूट सकता है 1,20,000 साल का रिकॉर्ड

अंजू की तरह अब चीन की महिला प्रेमी से मिलने पहुंची पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारतीय महिला अंजू के बाद अब एक चीनी महिला अपने पाकिस्तानी प्रेमी से मिलने के लिए खैबर पख्तूनख्वा पहुंची है। स्थानीय पुलिस ने कहा कि पाकिस्तानी युवक से इस महिला की दोस्ती भी सोशल मीडिया पर हुई। इसके बाद दोनों में प्रेम हो गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक गाओ फेंग नाम की ये महिला पिछले सप्ताह चीन से सड़क मार्ग से गिलगित होते हुए खैबर पख्तूनख्वा पहुंचीं।

पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए हवाई यात्रा से रवाना हुए 100 वरिष्ठ नागरिक

जयपुर, (ब्यूरो)। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2023 के तहत नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए श्री गंगानगर के 100 वरिष्ठ नागरिक शनिवार को हवाई यात्रा पर निकले। देवस्थान मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत ने यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए दिल्ली रवाना किया। यात्री शनिवार दोपहर 2 बजे दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से काठमांडू के लिए फ्लाइट से उड़ान भरी।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना -2023

मंत्री श्रीमती रावत ने बलदेव परशुराम धर्मशाला में आयोजित यात्रा शुभारम्भ कार्यक्रम में कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए यह पहली हवाई यात्रा है। उन्होंने बताया कि श्री गंगानगर जिले के चयनित 100 यात्री शनिवार को दिल्ली से हवाई यात्रा के जरिये काठमांडू जाएंगे और भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह शुभ संयोग ही है कि यात्रा की शुरूआत श्रावणमास में हुई है। इस वर्ष योजना के तहत तीर्थ स्थलों के दर्शनों हेतु 36,000 वरिष्ठ नागरिक रेल यात्रा एवं 4000 वरिष्ठ नागरिक हवाई यात्रा करेंगे। **वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जताया आभार:** मंत्री श्रीमती रावत ने पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे वरिष्ठ नागरिकों से बस में पहुंचकर बातचीत की। सभी यात्रियों ने इस यात्रा के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना से ही आज उनका पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन का सपना संभव हो पाया है।

आज का इतिहास

- 1567: जेम्स (चतुर्थ) को स्कॉटलैंड का राजा बनाया गया।
- 1748: ईस्ट इंडिया कंपनी की सहायता के लिये ब्रिटिश सेना की पहली सैन्य टुकड़ी भारत पहुंची।
- 1858: यूनाइटेड स्टेट्स और जापान ने हैरिस संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1876: भारत में विज्ञान संगठन की स्थापना की गई।
- 1899: न्यूयॉर्क में पहली मोटरसाइकिल रेस का आयोजन किया गया।
- 1911: मोहन बगान ने आईएफ शील्ड पहली बार जीता।
- 1921: जर्मनी में एडोल्फ हिटलर नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कस पार्टी के नेता चुने गये।
- 1937: जापानी सेना ने चीन के पेकिंग और टिनट्सीन पर कब्जा किया।
- 1957: संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का गठन किया।
- 1980 : मॉस्को ओलंपिक में भारत ने हॉकी में स्वर्ण पदक हासिल किया।

Filmiतड़का

'गन्स एंड गुलाब' में नए अवतार में नजर आए राजकुमार राव

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता जोड़ी राज एंड डीके की साल की बहुप्रतीक्षित सीरीज गन्स एंड गुलाब का नया वीडियो शुक्रवार को जारी किया गया, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि यह एक गैंगस्टर कॉमेडी है, जो 1970 के दशक के रोमांटिक पागल प्रेमियों और सनकी गैंगस्टरों के गानों से भरपूर है।

सीरीज गन्स एंड गुलाब एक विचित्र शैली मिश्रण है जिसमें राजकुमार राव, दुलकर सलमान, आदर्श गौरव, टीजे भानु और गुलशन देवैया प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वीडियो की शुरुआत रेट्रो संगीत से होती है, जिसमें गुलाब की पृष्ठभूमि के साथ कोल्ड-ड्रिंक की टूटी हुई बोतल दिखाई देती है। राजकुमार की एक झलक में उन्हें एक नए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें एक अनोखा हेयर स्टाइल और हाथ में बंदूक है। वहां एक पत्थर चिन्ह है जिस पर गुलाबगंज 6 किमी लिखा है। मोशन पोस्टर की तरह डिजाइन किए गए इस वीडियो में धातु के उपकरण, कांच की वस्तुएं, इत्र, कार्ड का एक पैकेट, एक पुराना कैसेट, एक प्रेम पत्र, चाकू, एक बुलेट बाइक दिखाई दे रही है। वहां एक साइनबोर्ड भी है जिस पर वायु ऑटो वर्क्स लिखा हुआ है। 1970 के दशक के हेयर स्टाइल और कपड़ों के साथ गुलशन की एक झलक मिलती है। दुलकर को एक सख्त और डराने वाले व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। पहली हत्या से लेकर पहले चुंबन तक, गुलाबगंज में कुछ भी हो सकता है। ट्रेलर 2 अगस्त को लॉन्च किया जाएगा।

राजवीर और पलोमा की 'दोनों' का नया पोस्टर रिलीज

नई दिल्ली। सनी देओल का छोटा बेटा राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म का नाम 'दोनों' है। मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें दोनों एक्टर्स की केमिस्ट्री नजर आ रही है। फिल्म 'दोनों' दिग्गज निर्देशक सूरज आर बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या की निर्देशन की पहली फिल्म है। मेघना के रूप में पलोमा की पुरानी दुनिया की सुंदरता और स्वभाव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि देव के रूप में राजवीर ने अपनी मनमोहक स्क्रीन उपस्थिति दर्ज कराई। नए पोस्टर में, दोनों की बेहद सहज केमिस्ट्री नजर आ रही हैं। दोनों हसंते हुए दिखाई जे रहे हैं। राजवीर देव के किरदार में पूरी तरह से डूबे हुए हैं। उन्होंने बेज कलर की पैंट के साथ ब्लू शर्ट पहनी हुई है। वहीं मेघना बनीं पलोमा ने बैलून स्लीव्स वाली रेड ड्रेस पहनी हुई है और एक हाथ में कई कंगन पहने हुए हैं। उन्होंने अपने बालों को वेवी स्टाइल में खुला रखा है। लुक को न्यूड पिंक आईशैडो, न्यूड पिंक लिप्स और थिक आइब्रो के साथ पूरा किया गया। वह शरमा रही है, उनका एक हाथ देव के पैर पर रखा हुआ है। यह कहानी दो अजनबियों के बीच मासूमियत और रोमांस के बारे में है, जिनकी मंजिल एक है।

जापानी विदेश मंत्री बोले- आरआरआर पसंदीदा फिल्म

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित इंडिया जापान फोरम में जापानी विदेश मंत्री योशिमाशा हायाशी से मुलाकात की। इस दौरान हायाशी बोले, मैंने अपनी जिंदगी में भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के नेता महात्मा गांधी से प्रेरणा ली। हायाशी ने गांधी को अपना हीरो बताया। इस मौके पर जब जापानी विदेश मंत्री हायाशी से पूछा गया कि उनकी पसंदीदा हिंदी फिल्म कौन सी है तो इसका जवाब देते हुए उन्होंने आरआरआर का नाम लिया। हायाशी ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पहुंचने से पहले आरआरआर देखी जो उन्हें पसंद आई। इस फिल्म का निर्देशन भारतीय निर्देशक आर राजामौली ने किया है। फिल्म के गाने नाटू-नाटू ने साल 2023 में ऑस्कर अवॉर्ड भी जीता है। हायाशी ने कहा कि इस फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले राम चरण और जूनियर एनटीआर उन्हें काफी पसंद आए। इसके साथ ही हायाशी ने कहा कि वो कुछ-कुछ जूनियन एनटीआर जैसे लगते हैं। एस जयशंकर ने भी हंसते हुए यही बात दोहराई। इस दौरान इस बातचीत की होस्ट ने कहा कि वह आरआरआर फिल्म का गाना नाटू-नाटू बजवाने जा रही हैं तो एस जयशंकर ने कहा कि वे स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि वे जापानी विदेश मंत्री के साथ डांस करने नहीं जा रहे हैं। वहीं, जब जयशंकर से उनकी फेवरेट जापानी फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह काफी जापानी फिल्में देखते हैं लेकिन वह एक सीरियल पसंद करते हैं जिसका नाम शिन्या शोकोदो है।

जयशंकर बोले- नाटू नाटू पर नाचूंगा नहीं

खबर संक्षेप

सोना 350 रुपए टूटा, चांदी 1,900 रुपए फिसली

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से कमजोर रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोना 350 रुपये की गिरावट के साथ 60,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने जुटाए 39.4 करोड़ डॉलर

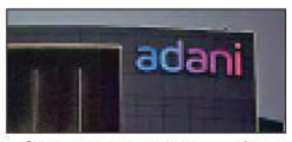

नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज की शाखा अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज ने बार्कलेज पीएलसी और डॉयचे बैंक से 39.4 करोड़ डॉलर (3,231 करोड़ रुपये) जुटाए। प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को बयान में बताया कि इस कोष का उपयोग कंपनी की एकीकृत सौर मॉड्यूल विनिर्माण इकाई की कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

एक्साइड का लाभ 7.1 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता। बैटरी बनाने वाली एक्साइड इंडस्ट्रीज का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.1 प्रतिशत बढ़कर 242 करोड़ रुपये रहा। शुद्ध लाभ 226 करोड़ रुपये रहा था। एक्साइड इंडस्ट्रीज की परिचालन आय पहली तिमाही में 4.2 प्रतिशत बढ़कर 4,073 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले समान तिमाही में 3,907 करोड़ रुपये थी।

यूको बैंक के मुनाफे में 80 फीसदी का इजाफा

यूको बैंक
UCO BANK

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 80 प्रतिशत बढ़कर 223 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मुख्य रूप से फंसे कर्ज में कमी से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। कोलकाता स्थित बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 124 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था।

एनएसई का मुनाफा बढ़कर नौ प्रतिशत

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने कहा कि जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 1,844 करोड़ रुपये हो गया। एनएसई ने एक बयान में कहा कि चालू वित्तवर्ष की पहली तिमाही में परिचालन से होने वाली एकीकृत आय 2,987 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी तिमाही के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है।

बजाज फिनसर्व के लाभ में 48 फीसदी की वृद्धि

BAJAJ FINSERV
BAJAJ FINSERV LIMITED

मुंबई। बजाज फिनसर्व का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 1,943 करोड़ रुपये रहा। लाभ बढ़ने का मुख्य कारण मार्जिन और संपत्तियों में वृद्धि है।बजाज फिनसर्व बजाज समूह की वित्तीय सेवा कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है। लाभ वृद्धि के मामले में सबसे आगे समूह की प्रमुख कंपनी बजाज फाइनेंस रही। इसका शुद्ध लाभ जून तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़कर 3,437 करोड़ रुपये रहा।

क्या बैंक खातों और डिपॉजिट पर टीडीएस काट रहा है बैंक? जानें आपके अधिकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- एफडी का ब्याज यदि 40 हजार से ज्यादा नहीं होता तो टैक्स काटने की जरूरत नहीं

क्या आपके पास भी अलग-अलग बैंकों या एक से ज्यादा खाते और फिक्स्ड डिपॉजिट हैं तो आपको इनकम टैक्स फाइलिंग से पहले कुछ बातें जान लेनी चाहिए। इनकम टैक्स के नियमों के मुताबिक बैंक को खाताधारकों के खाते या फिक्स्ड डिपॉजिट में जमा रकम के ब्याज पर 10 फीसदी की दर से टीडीएस फाइल करना होता है। ये उसी सूरत में होता है जब सभी बैंक खातों और एफडी का इंटरेस्ट कुल मिलाकर एक साल में 40,000 रुपए के ऊपर का हो। लिहाजा अगर सभी बैंकों के खाते व सभी डिपॉजिट्स का ब्याज मिलकर 40,000 रुपए से ज्यादा नहीं होता है तो बैंको को इस तरह का टैक्स काटने की जरूरत नहीं है।

एफडी में जमा रकम के ब्याज पर लगता है 10 फीसदी की दर से टीडीएस

कब देना होता है फॉर्म 15जी

अगर साल भर की ब्याज आमदनी को जोड़कर भी आपकी आमदनी टैक्स योग्य इनकम के बराबर नहीं होती है तो आप फॉर्म 15जी-15जी/एच भरकर टीडीएस कटौती रोक सकते हैं। कोई भी खाताधारक या डिपॉजिट का मालिक अगर 60 साल से कम उम्र का है तो वो फॉर्म 15जी भरकर बैंक से इंटरेस्ट पेमेंट का सबूत ले सकते हैं और इसके जरिए टैक्स बचा सकते हैं। जिन्होंने ओल्ड टैक्स रिजिम लिया हुआ है उनके लिए बेसिक छूट लिमिट 2.50 लाख रुपए की है और जिन्होंने न्यू टैक्स रिजिम अपनाया है उनके लिए बेसिक एग्जम्प्ट लिमिट 3 लाख रुपए की है।

क्या हो अगर फॉर्म 15जी नहीं सबमिट कर पाते हैं तो?

हालांकि अगर कोई शख्स फॉर्म 15जी सबमिट करने के लिए एलिजिबिल नहीं है तो भी आपको बैंक से इस बात का आग्रह करने की जरूरत नहीं है कि वो ब्याज पर टीडीएस काटे। ये उसी स्थिति में होना चाहिए अगर आपके सभी बैंक खातों और डिपॉजिट पर मिलने वाली ब्याज की सम्मिलित राशि साल भर में 40,000 रुपए से ज्यादा ना हो और सीनियर सिटीजन के मामले में 50,000 रुपए से ज्यादा ना हो।

कौन जमा कर सकता है फॉर्म 15जी

एक स्थानीय निवासी जो कि बैंक खातों और अन्य डिपॉजिट्स से ब्याज की आय हासिल कर रहा है बैंक में 15जी फॉर्म जमा कर सकता है। इसे इस तरह से समझा जा सकता है कि साल भर में बैंकों में जमा पैसों पर आपको 40,000 रुपए से ज्यादा ब्याज मिल रहा है तो अतिरिक्त ब्याज पर बैंक 10 फीसदी टीडीएस काट सकता है। वहीं सीनियर सिटीजन के लिए ये लिमिट 50 हजार रुपए की है। अगर सीनियर सिटीजन को साल भर में 50,000 रुपए से ज्यादा का ब्याज मिल रहा है तो अतिरिक्त ब्याज पर उन्हें 10 फीसदी की दर से टीडीएस कटवाना पड़ेगा।

अहमदाबाद के आईएफएससी में हो सकेंगे सूचीबद्ध

भारतीय कंपनियां जल्द ही विदेश में सूचीबद्ध हो सकेंगी : सीतारमण

- घरेलू कंपनियां विदेश में प्रतिभूतियों को प्रत्यक्ष रूप से सूचीबद्ध कर पाएगी
- भारतीय कंपनियों को वैश्विक पूंजी तक पहुंच मिलेगी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कंपनियां अब विदेशी शेयर बाजारों के साथ ही अहमदाबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र पर सीधे सूचीबद्ध हो सकेंगी।

सरकार ने इस संबंध में कोविड राहत पैकेज के तहत घोषणा की थी, लेकिन इस संबंध में नियमों को अभी अधिसूचित किया जाना है।इसके जरिए घरेलू कंपनियों को विदेश में विभिन्न शेयर बाजारों पर अपने शेयरों को सूचीबद्ध करके धन जुटाने में मदद मिलेगी।

मई 2020 में लाया गया था प्रस्ताव

इस संबंध में एक प्रस्ताव पहली बार मई 2020 में महामारी के दौरान घोषित नकदी पैकेज के तहत पेश किया गया था। सीतारमण ने यहां कहा, 'घरेलू कंपनियां अब विदेश में प्रतिभूतियों को प्रत्यक्ष रूप से सूचीबद्ध कर सकती हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि सरकार ने आईएफएससी एक्सचेंज पर सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों की प्रत्यक्ष सूचीबद्धता को मंजूरी देने का भी फैसला किया है।'

इन देशों को दिया था प्रस्ताव

सेबी ने एनवाईएसई, नैस्डैक, एलएसई और हांगकांग के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी, स्विटजरलैंड और कनाडा के शेयर बाजार में देश कंपनियों को सूचीबद्ध होने का प्रस्ताव दिया था, जहां धनशोधन के लिए सख्त नियम हैं।

कंपनियों का बेहतर मूल्यांकन हो पाएगा

वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक बड़ा कदम है और इससे भारतीय कंपनियों को बेहतर मूल्यांकन की सुविधा और वैश्विक पूंजी तक पहुंच मिलेगी। वह कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को मजबूत करने में मदद के लिए एएमसी रेपो निपटान और कॉरपोरेट ऋण बाजार विकास कोष की शुरुआत के मौके पर एक कार्यक्रम में बोल रही थीं।

सात से आठ देशों में मिलेगी अनुमति

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारतीय कंपनियों की सीधे विदेश में सूचीबद्ध करने के नियम कुछ हफ्तों में अधिसूचित किए जाएंगे।अधिकारी ने कहा कि शुरुआत में भारतीय कंपनियों को आईएफएससी पर सूचीबद्ध होने की अनुमति दी जाएगी, और बाद में उन्हें सात या आठ देशों में इसकी अनुमति दी जाएगी।

नीति निर्धारण में जवाबदेही बढ़ाने की जरूरत

कोई भी फैसला करने से पहले उसके गुण-दोष का अध्ययन करने के लिए 'नियामकीय प्रभाव आकलन' की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा नियमों के लिए भी ऐसी समीक्षा की वकालत की। वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसी व्यवस्था होने से नीति निर्धारण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

निर्णय लेने समयसीमा तय की जानी चाहिए

सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, 'प्रस्तावित और मौजूदा नियमों तथा गैर-नियामक विकल्पों के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का गंभीरता से आकलन के लिए हमारे पास नियामकीय प्रभाव मूल्यांकन की व्यवस्था होनी चाहिए।' सीतारमण ने कहा कि कारोबारी सुगमता के लिए विभिन्न नियमों के तहत आवेदनों पर निर्णय लेने की समयसीमा भी तय की जानी चाहिए।

निवेशकों की सुरक्षा जरूरी

वित्त मंत्री ने कहा, 'कारोबारी सुगमता के लिए नियमों की गुणवत्ता, आनुपातिकता और प्रभावशीलता सबसे ज्यादा मायने रखती है।' सीतारमण ने कहा कि वित्तीय नियामकों का मुख्य ध्यान बाजार विकास और निवेशकों की सुरक्षा पर होना चाहिए। साथ ही बाजारों को ऐसा बनाया जाना चाहिए, जिससे पूंजी जुटाने में आसानी हो और निवेशकों को जरूरी सुरक्षा भी दी जानी चाहिए।

हिंडनबर्ग आरोपों की स्वतंत्र रूप से कोई जांच नहीं करेगी एसीसी

HINDENBURG RESEARCH

ACC

- एसीसी अब अदाणी समूह का हिस्सा है
- पहले तिमाही के परिणामों की कंपनी ने घोषणा की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीमेंट बनाने वाली कंपनी एसीसी लिमिटेड ने कहा कि वह अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों को लेकर स्वतंत्र रूप से कोई जांच नहीं करेगी।

एसीसी अब अदाणी समूह का हिस्सा है। एसीसी सीमेंट ने अपनी पहली तिमाही के परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि अदाणी समूह पहले ही स्वतंत्र रूप से काम करने वाली विधि कंपनियों से समीक्षा करवा चुकी है। उनकी राय से स्पष्ट हो गया कि कंपनी लागू कानूनों व विनियमों का पालन कर रही है। कंपनी ने कहा, 'इसलिए नियामक जांच के आ चुके तथा लंबित परिणाम और संबंधित कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए इसमें अलग से कोई स्वतंत्र जांच नहीं कराने का फैसला किया गया है। वित्तीय परिणामों में इस संबंध में कोई समायोजन नहीं किया गया है।'

हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अदाणी पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी करने और खातों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही अमेरिकी कंपनी ने फर्जी कंपनियों के जरिए धन के गुपु-चुप लेनदेन का भी आरोप लगाया था।

अमीर भारतीय होने का तमगा खोना पड़ा

रिपोर्ट आने के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्य सबसे निचले स्तर पर 150 अरब डॉलर से भी नीचे पहुंच गया था और अदाणी को सबसे अमीर भारतीय होने का तमगा खोना पड़ा था।

भारत ने यूरोपीय संघ से मांगी झींगा निर्यात के लिए मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- नमूना लेने की जरूरत को 50 फीसदी कम करने की मांग की
- सूचीबद्ध कंपनियों पर निगरानी कम करने की मांग

भारत ने यूरोपीय संघ से झींगे के निर्यात के लिए हाल ही में सूचीबद्ध मत्स्यपालन कंपनियों को मंजूरी देने और सीमा निगरानी चौकी पर नमूना लेने की जरूरत को 50 प्रतिशत से कम करने की मांग की है।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने बृहस्पतिवार को यहां पर्यावरण, महासागर और मत्स्य पालन के लिए यूरोपीय आयुक्त वर्जिनिजस सिंकेविसियस के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में इन मुद्दों को उठाया। सरकार की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, 'इस बैठक में मत्स्य पालन और जलीय कृषि पर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।' इस बैठक में रूपाला ने यूरोपीय संघ से अनुरोध किया कि वह सीमा निगरानी चौकी पर भारत के फार्म वाले झींगे के संदर्भ में नमूना जुटाने की जरूरत को 50 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से घटाकर 10 प्रतिशत के पुराने स्तर पर कर दे। रूपाला ने गैर-सूचीबद्ध मत्स्य पालन प्रतिष्ठानों को फिर से सूचीबद्ध करने और भारत से यूरोपीय संघ को जलीय कृषि झींगा के निर्यात के लिए हाल ही में सूचीबद्ध मत्स्य कंपनियों को अनुमति देने का भी अनुरोध किया।

मछली पकड़ने जैसे मुद्दों पर सहमति

बयान के मुताबिक, यूरोपीय संघ के अनुरोध पर दोनों पक्ष बंदरगाह राज्य माप समझौते, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में मत्स्य पालन पर सब्सिडी से जुड़े मुद्दों और अवैध एवं गैर-विनियमित ढंग से मछली पकड़ने जैसे मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत के लिए सहमत हुए।

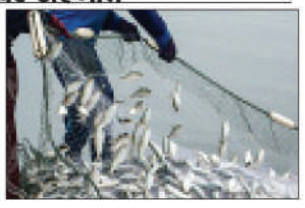

इंडियन ऑयल को 13,750 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। देश की शीर्ष पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 13,750 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। यह पिछले एक दशक में सर्वाधिक तिमाही लाभ है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी आईओसी ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी। पेट्रोल और डीजल पर रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ने से कंपनी को फायदा हुआ है। इसके मुताबिक, बीती तिमाही में कंपनी ने 13,750.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया जबकि पिछले साल की समान अवधि में उसे 1,992.53 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। शुद्ध लाभ का यह आंकड़ा जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में करीब 37 प्रतिशत अधिक है।

बाजार में दूसरे दिन गिरावट सेंसेक्स 107 अंक टूटा

- आईटी और बैंक शेयरों में रही बिकवाली
- विदेशी संस्थाओं ने की पूंजी निकासी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विदेशी बाजारों के मिले-जुले रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंक शेयरों में बिकवाली का जोर रहने से शुक्रवार को मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स कारोबार के अंत में 106.62 अंक गिरकर 66,160.20 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 13.85 अंक यानी 0.07 प्रतिशत गिरकर 19,646.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल शेयरों में से बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बढ़त का रुख देखा गया।

मैजिकपिन बेच रही 70 रुपए किलो टमाटर

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स स्टार्टअप मैजिकपिन ने एनसीसीएफ के साथ हुए एक समझौते के तहत 70 रुपये किलोग्राम की दर से टमाटर बेचना शुरू किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि ये टमाटर सरकार द्वारा समर्थित ओएनडीसी पर पंजीकृत चुनिंदा ऑनलाइन मंच के जरिए बेचे जाएंगे। बयान के मुताबिक उपभोक्ता इस व्यवस्था के तहत दिल्ली-एनसीआर और कुछ चुनिंदा शहरों में मैजिकपिन ऐप, पेटीएम, फोनपे के पिनकोड और मायस्टोर के जरिए टमाटर खरीद सकते हैं। मैजिकपिन के सीईओ और सह-संस्थापक अंशू शर्मा ने कहा, 'हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

चावल के प्रतिबंध से छूट पाने भारत के संपर्क में सिंगापुर

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

सिंगापुर गैर-बासमती सफेद चावल के भारत से निर्यात पर प्रतिबंध से छूट पाने के लिए भारतीय अधिकारियों के संपर्क में है। सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ' एसएफए विभिन्न स्रोतों से चावल की विभिन्न किस्मों का आयात बढ़ाने के लिए आयातकों के साथ मिलकर काम कर रहा है। प्रतिबंध से छूट पाने के लिए सिंगापुर भी भारतीय अधिकारियों के संपर्क में है।' भारत सरकार ने आगामी त्योहारों के दौरान घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और खुदरा कीमतों को काबू में रखने के लिए 20 जुलाई को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। सिंगापुर में भारत से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत है। एजेंसी ने कहा कि 2022 में सिंगापुर के आयातित चावल में भारत की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत थी। सिंगापुर 30 से अधिक देशों से चावल आयात करता है।

चावल का निर्यात 35 फीसदी बढ़ा

भारत ने चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में करीब 15.54 लाख टन चावल का निर्यात किया, जो कि एक साल पहले इसी तिमाही में केवल 11.55 लाख टन था। यानी इसमें 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अदाणी समूह एक नए सेक्टर में पैर पसार रहा

अब आने वाला है अदाणी का क्रेडिट कार्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गौतम अदाणी का अदाणी समूह एफएमसीजी से लेकर एयरपोर्ट तक विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत कारोबारी उपस्थिति रखता है। अदाणी समूह की कंपनियां तेल-आटा-चावल भी बेचती हैं, तो पोर्ट से लेकर एयरपोर्ट तक का परिचालन भी संभालती है। अब अदाणी एक नए सेक्टर में पैर पसारने वाले हैं। जल्दी ही आपको अदाणी के क्रेडिट कार्ड भी देखने को मिल सकते हैं।

को-ब्रांडेड कार्ड जारी करने लिए अदाणी समूह और अमेरिकी डिजिटल पेमेंट गेटवे कंपनी वीजा ने नई डील की है। दोनों संबंधित डील पर साइन कर चुके हैं। ये कार्ड रिटेल से लेकर एयरपोर्ट और ऑनलाइन ट्रैवल से जुड़े फायदे ग्राहकों को ऑफर कर सकते हैं। इस तरह से अदाणी और वीजा के को-ब्रांडेड कार्ड देश के 40 करोड़ ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं।

वीजा के साथ हुई डील

अभी बाजार में ये ट्रैवल क्रेडिट कार्ड

ट्रैवल पर फोकस्ड को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड की बात करें तो अभी बाजार में इस तरह के बहुत ज्यादा प्रोडक्ट नहीं हैं। फिलहाल इस मामले में आईसीआईसीआई बैंक और मेक माय ट्रिप, एसबीआई और यात्रा व एक्सिस बैंक और विस्तारा मिलकर ट्रैवल क्रेडिट कार्ड ऑफर कर रहे हैं।

अदाणी के पास अभी 7 हवाई अड्डे

अदाणी समूह अभी भारत में 7 हवाई अड्डों का परिचालन करता है। आने वाले समय अदाणी समूह अपने नेटवर्क में और एयरपोर्ट भी जोड़ सकता है। अदाणी समूह के सातों एयरपोर्ट भारत का ज्यादातर एयर ट्रैफिक संभालते हैं। इन सातों हवाई अड्डों पर घरेलू यात्रियों की आवाजाही में 92 फीसदी और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की आवाजाही में 133 फीसदी की तेजी आई है।

वीजा के सीईओ ने दी जानकारी : वीजा के सीईओ रयान मैकल्नर्नी ने एनालिस्ट के साथ एक कॉन्फ्रेंस कॉल में इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अदाणी समूह के साथ मिलकर को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड ऑफर करने को लेकर डील हुई है। इस पार्टनरशिप से वीजा को अदाणी के एयरपोर्ट व ऑनलाइन ट्रैवल सर्विसेज से 40 करोड़ ग्राहकों का एक्सेस मिल सकता है।

इन फैक्टर्स से मिलेगी मदद

ट्रैवलिंग के सेक्टर में अदाणी समूह ने हाल ही एक बड़ी डील की है। अदाणी समूह ने ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग सेवाएं देने वाले प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन का अधिग्रहण किया है। इससे अदाणी समूह को ट्रैवल सेक्टर में दखल बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणीने बताया था कि उनका समूह सुपर एप लाने की तैयारी में है, जिससे समूह को अपनी विभिन्न सर्विसेज को इंटीग्रेट करने में मदद मिलेगी।

सैट से मुकेश और अनिल अंबानी को राहत

- सेबी का 25 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने का आदेश निरस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- मामला अधिग्रहण नियमों का अनुपालन न करने से संबंधित

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने अधिग्रहण नियमों का पालन न करने पर उद्योगपति मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी और अन्य लोगों पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का सेबी का आदेश शुक्रवार को खारिज कर दिया।

यह मामला वर्ष 2000 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अधिग्रहण नियमों का कथित तौर पर अनुपालन न करने से संबंधित है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल, 2021 में मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, नीता अंबानी, टीना अंबानी और कुछ अन्य लोगों पर कुल 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। अनिल अंबानी और टीना अंबानी वर्ष 2005 में इस कारोबार से अलग हो गए थे। सेबी ने अपने आदेश में कहा था कि वर्ष 2000 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रवर्तक और संबंधित लोगों ने कंपनी में पांच प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बारे में सूचना नहीं दी थी। इस आदेश को अंबानी परिवार के सदस्यों की तरफ से अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती दी गई थी।

एशियाड : सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एशियाई खेलों में तभी खेल पाएंगी अगर टीम 23 सितंबर से हांगझोउ में शुरु होने वाले महाद्वीपीय खेलों के फाइनल में पहुंच जाए।

पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में चार टीमें एक जून को आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग की बदौलत भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश सीधे अंतिम आठ चरण से खेलेंगी।

मिलेगा टी20 दर्जा

सभी मैचों का आधिकारिक टी20 अंतरराष्ट्रीय दर्जा होगा। हरमनप्रीत पर हाल में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में सार्वजनिक तौर पर अंपायरिंग की आलोचना करने के लिए दो मैचों का प्रतिबंध लगा हुआ है। वह क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाएंगी जो निश्चित रूप से एसोसिएट देश के खिलाफ होगा जिसके बाद पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ सेमीफाइनल में भी वह मैदान में नहीं उतर पाएंगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग की बदौलत मिला फायदा

पुरुष स्पर्धा में 18 टीमें

ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली पुरुष टीम को एक जून तक आईसीसी टी20 रैंकिंग के आधार पर क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला है। पुरुष स्पर्धा में 18 टीम होंगी जबकि महिलाओं के वर्ग में 14 टीम खेलेंगी।

लगातार तीन दिन खेलना होगा

महिलाओं की स्पर्धाएं 19 सितंबर से शुरु होंगी और 26 सितंबर को स्वर्ण और कांस्य पदक के मैच के साथ खत्म होंगी। पुरुष स्पर्धा 28 सितंबर को शुरु होंगी और फाइनल सात अक्टूबर को खेला जाएगा जो अहमदाबाद में पुरुष आईसीसी 50 ओवर के विश्व कप के शुरु होने के एक दिन बाद होगा। अगर भारतीय क्रिकेट टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करती हैं तो उन्हें लगातार तीन दिन पांच अक्टूबर (क्वार्टर फाइनल), छह अक्टूबर (सेमीफाइनल) और सात अक्टूबर (फाइनल) खेलना होगा।

दूसरे दर्जे की टीमों से मैच

पूरी संभावना है कि भारत का क्वार्टर फाइनल अफगानिस्तान या बांग्लादेश की दूसरे दर्जे की टीम से होगा क्योंकि दोनों देशों की मुख्य टीम भारत में उस समय चल रहे विश्व कप में होंगी। पूरी संभावना है कि पुरुष टीम उद्घाटन समारोह शुरु होने से पहले खेल गांव पहुंचेगी क्योंकि उनका अभियान शुरु होने से पहले करीब दो हफ्ते का समय होगा। साथ ही बीसीसीआई ने पुष्टि नहीं की है कि क्रिकेट टीम खेल गांव में ठहरेंगी या फिर शहर के पांच सितारा होटल में।

कुल 32 मैच होंगे

हांगझोउ खेलों में पुरुष और महिला स्पर्धाओं में कुल 32 मैच होंगे जिसमें से 18 पुरुष और 14 महिलाओं के मैच होंगे। भारतीय टीम अगर फाइनल तक खेलती है तो उसे भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से मैच खेलने होंगे।

महिला विश्व कप

जेम्स के गोल से इंग्लैंड ने डेनमार्क को 1-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| सिडनी

लॉरिन जेम्स के छठे मिनट में किए गोल की मदद से यूरोपीय चैंपियन इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां महिला विश्व कप के मैच में डेनमार्क को 1-0 से पराजित किया। स्थानापन्न खिलाड़ी एमेली वांग्सगार्ड बराबरी गोल करने के करीब पहुंची लेकिन इंग्लैंड ने उन्हें रोककर लगातार जीत दर्ज की। इस फॉरवर्ड ने ग्रुप डी के शुरुआती मैच में चीन के खिलाफ 90वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी।

इस जीत से इंग्लैंड की टीम इस टूर्नामेंट में नार्वे के लगातार 15 मैचों में गोल करने के रिकॉर्ड के बराबर पहुंच गई। इंग्लैंड की टीम इस जीत से ग्रुप डी से अगले दौर में पहुंचने के करीब भी पहुंच गई है और अब अंतिम ग्रुप मैच में उसका सामना एडीलेड में चीन से होगा जबकि डेनमार्क की भिड़ंत पर्थ में हैती से होगी।

अर्जेंटीना ने दक्षिण अफ्रीका से ड्रॉ खेला

डुनेडिन। अर्जेंटीना ने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला फुटबॉल विश्व कप का मैच 2-2 से ड्रॉ करा लिया। इस ड्रॉ से दोनों टीमों को ग्रुप जी में एक-एक अंक मिल गया है। स्वीडन और इटली तीन तीन अंक लेकर शीर्ष पर हैं और दोनों का शनिवार को सामना होगा। करीब 8834 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में अर्जेंटीना के लिए सोफिया ब्राउन ने 74वें और रोमिना नुनेज ने 79वें मिनट में गोल दागा। दक्षिण अफ्रीका के लिए लिंडा एम ने 30वें और थेम्बी गातलाना ने 66वें मिनट में गोल किए।

खबर संक्षेप

भारत ने इंग्लैंड को बराबरी पर रोका

बार्सिलोना। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ पर हो रहे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में अपने तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। सैम वार्ड ने मैच के पांचवें मिनट में इंग्लैंड के लिए शुरुआती गोल किया, वहीं भारत ने 29वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह के गोल से वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इस ड्रा मैच के बाद भारत रविवार को होने वाले फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है।

टीम में नहीं चुना जाना मेरे लिए सामान्य बात

ब्रिजटाउन। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि मौके गंवाने पर दुखी होने की बजाय हर मौके का फायदा उठाना बेहतर है।

कुलदीप ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में तीन ओवर में छह रन देकर चार विकेट लिए जिससे भारत ने पांच विकेट से जीत दर्ज किए। कुलदीप ने कहा, 'अधिकांश समय मुझे हालात और टीम संयोजन की वजह से खेलने का मौका नहीं मिलता। अब यह सामान्य बात है। मैं इतने साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। अब छह साल से अधिक हो गए। ये चीजें सामान्य हैं।'

गोलपोस्ट के पास मौकों को भुनाना होगा : कोच

चेन्नई। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य को थॉमस डेनेरबी ने कहा कि टीम को एशियाई खेलों और एशियाई क्वालीफाइंग चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए मौकों को गोल में बदलने के साथ 'एटैकिंग थर्ड (गोल पोस्ट के सामने)' में अपने खेल में सुधार करना होगा। डेनेरबी ने कहा, 'हमें गोल पोस्ट के करीब अपने मौके को भुनाना होगा। हमने हाल के मैचों में गोल करने के बहुत सारे मौके बनाए अधिक गोल नहीं कर पाए।' डेनेरबी ने एआईएफएफ की वेबसाइट से कहा कि उनकी टीम को भी अपनी रक्षात्मक संरचना को मजबूत करने की जरूरत है।

पराग के शतक से जीता पूर्व क्षेत्र

पुडुचेरी। रियान पराग के शानदार शतक और उसके बाद चार विकेट की मदद से पूर्व क्षेत्र ने शुक्रवार को यहां उत्तर क्षेत्र को 88 रन से हराकर देवधर ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। पराग ने 102 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 131 रन बनाए। कुमार कुशाग्र (98) के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 235 रन की साझेदारी की जिससे पूर्व क्षेत्र ने आठ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। उत्तर क्षेत्र की टीम 45.3 ओवर में 249 रन पर आउट हो गई।

क्रिकेट

वनडे : वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच का प्रसारण शाम 7 बजे

लगातार 10वीं जीत पर नजर श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| बारबडोस

भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को दूसरे वनडे में लगातार 10वीं जीत दर्ज करने उतरेगी। बल्लेबाजों के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाने पर भारत की नजर होगी। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ को पहले वनडे में मध्यक्रम बल्लेबाजों को दूसरे सत्र में टर्न लेती पिच पर आजमाने में थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ा लेकिन लक्ष्य महज 115 रन का था तो टीम ने आराम से इसे हासिल कर लिया।

कोई भी पक्के तौर पर कह सकता है कि अगर भारत को फिर इतने छोटे लक्ष्य का पीछा करना पड़े तो भी रोहित खुद शुभमन गिल के साथ बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे और विराट कोहली तीसरे नंबर पर खेलेंगे। पहले वनडे में अर्धशतकीय पारी से प्रभावित करने के बावजूद ईशान किशन को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी और अगर केएल राहुल वापसी करते हैं तो उन्हें श्रीलंका में एशिया कप के दौरान इस जगह को खाली करना होगा।

टीम संयोजन पर ज्यादा प्रयोग नहीं

आस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में आठ अक्टूबर को शुरुआती विश्व कप मैच से पहले बस 11 और मैच बचे हैं तो भारत का लक्ष्य एक संतुलित संयोजन पर अडिग रहने का होगा इसलिए ज्यादा प्रयोग करने पर शायद जोर नहीं दिया जाए।

पिच से मिलेगा अभ्यास

भारतीय बल्लेबाजों टर्न लेती पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ धाकड़ बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर नहीं बना सके हैं लेकिन अगर पहले वनडे जैसी परिस्थितियों में ऐसा करना पड़े तो यह टीम के लिए इतनी खराब परीक्षा भी नहीं होगी। चेन्नई और लखनऊ जैसे स्थल स्पिनरों के लिए मददगार होंगे और विदेशी हालात में इसी तरह की पिचों पर कुछ अभ्यास करना हमेशा अच्छा ही साबित होगा। घरेलू मैदान पर इसी तरह की पिचों की उम्मीद कर सकते हैं।

सूर्या फार्म में करेंगे वापसी

सूर्यकुमार यादव के लिए अपनी टी20 फॉर्म को 50 ओवर के क्रिकेट में दोहराना निहायत जरूरी होगा। गुरुवार को उनके पास सुनहरा मौका था और वह अच्छी लय में भी दिख रहे थे लेकिन मोती की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने से उनकी पारी खत्म हो गई। सूर्यकुमार जानते हैं कि अगर श्रेयस अय्यर फिट हो जाते हैं और अगर केएल राहुल वापसी करते हैं तो अंतिम एकादश में उनके स्थान पर खतरा मंडरा सकता है जिससे उनके लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा।

देवधर ट्राफी : दक्षिण ने पूर्वोत्तर को हराया, तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶| पुडुचेरी

दक्षिण क्षेत्र ने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन की बदौलत शुक्रवार को यहां देवधर ट्राफी के मैच में पूर्वोत्तर की टीम को नौ विकेट से पराजित कर दिया।

विद्वथ कावेरप्पा और आर साई किशोर की अगुआई में दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम को महज 136 रन पर समेट दिया जिसने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। दक्षिण क्षेत्र को इस लक्ष्य तक पहुंचने में

महज 19.3 ओवर लगे जिसमें सलामी बल्लेबाज रोहन कुनुम्मल ने नाबाद अर्धशतक (87 रन) जड़ा। इस जीत से दक्षिण क्षेत्र की टीम ने 12 अंक से अंक तालिका में शीर्ष पर अपना स्थान मजबूत कर लिया है। साथ ही बेहतर नेट रन रेट से भी उन्हें मदद मिली।

इस मैच में दक्षिण क्षेत्र ने विद्वथ और अर्जुन तेंदुलकर की गेंदबाजी जोड़ी को लगाया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन को वासुकी कौशिक की जगह टीम में शामिल किया गया। अर्जुन ने भी आते ही सलामी बल्लेबाज अनूप अहलावत को आउट कर प्रभावित किया।

चीन ने हैती को 1-0 से हराया

एडिलेड। चीन ने एक घंटे से अधिक समय तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद शुक्रवार को यहां हैती को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपनी उम्मीदें जीवंत रखी। फारवर्ड वांग शुआंग ने 74वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। यह विश्व कप में उनका पहला गोल है। महिला विश्व कप के इतिहास में यह दूसरा अवसर है जबकि किसी टीम में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए जीत हासिल की। इससे पहले ऐसा 2011 में हुआ था। चीन के डेनमार्क के समान तीन अंक हो गए हैं और वह अभी नॉकआउट चरण में पहुंचने की दौड़ में बना हुआ है।

पापुआ न्यू गिनी ने टी20 विश्व कप 2024 में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| पोर्ट मोरेस्बी

पापुआ न्यू गिनी ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से यह एकमात्र टीम है और टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली 15वीं टीम बन गई है। पापुआ न्यू गिनी ने शुक्रवार को फिलीपीन को 100 रन से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने

पर पापुआ न्यू गिनी ने छह विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में फिलीपीन की टीम 129 रन पर आउट हो गई। पांच मैचों के बाद पापुआ न्यू गिनी तालिका में शीर्ष पर रही। अब जापान के खिलाफ शनिवार को उसका मैच औपचारिकता मात्र रह गया है। बीस टीमों के इस टूर्नामेंट में अभी पांच टीमों का चयन बाकी है। एक टीम बरमूडा में होने वाले अमेरिकी क्वालीफायर से, दो दो टीमें एशिया और अफ्रीका क्वालीफायर से चुनी जाएंगी जो क्रमशः नेपाल और नामीबिया में होंगे।

लक्ष्य सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग, प्रणय हारे

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

भारत के लक्ष्य सेन ने अपना प्रभावी प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान के कोकी वातानाबे को सीधे गेम में हराकर जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि एच एस प्रणय और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी हारकर बाहर हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी सेन ने 33वीं रैंकिंग वाले वातानाबे को 21-15, 21-19 से शिकस्त दी। सेन का सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी से होगा।

दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने 19-21, 21-18, 21-8 से हराया। फॉर्म में चल रही सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को ओलंपिक चैंपियन चीनी ताइपै के ली यांग और वांग चि लान ने 21-15, 23-25, 21-16 से मात दी। इसके साथ ही उनका लगातार 12 मैच का विजय अभियान भी खत्म हो गया।

एशियाड को लेकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ आश्वस्त

छेत्री और स्टिमक की मौजूदगी से भारत मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के हाल के शानदार प्रदर्शन और इस खेल के प्रति लोगों की बढ़ती दिलचस्पी ने ही पुरुष और महिला टीमों को आगामी एशियाई खेलों में शामिल करने के लिए पेरित किया। हांगझोउ खेलों में भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों की भागीदारी पर पहले संशय बना हुआ था क्योंकि पहले खेल मंत्रालय का टीमों को भेजने का मापदंड महाद्वीप में शीर्ष आठ रैंकिंग हासिल करना था। लेकिन खेल मंत्रालय ने बाद में एआईएफएफ की अपील पर दोनों टीमों के मापदंड में राहत दी। भारतीय पुरुष टीम ने इस साल के शुरु में त्रिकोणीय टूर्नामेंट, इंटरकांटिनेंटल कप और सैफ चैंपियनशिप जीती थी। इसकी बदौलत वह फीफा रैंकिंग में पहली बार 99वें स्थान पर पहुंचने में सफल रही जिससे लगातार सुधार के संकेत दिख रहे हैं। पूर्व भारतीय गोलकीपर चौबे ने कहा, 'हमारे यूट्यूब चैनल पर सैफ चैंपियनशिप की संयुक्त दर्शकों की संख्या में काफी प्रभावशाली तेजी दिखी जिसमें हमारी महिला टीम की ओलंपिक क्वालीफाइंग के दूसरे दौर में प्रगति भी शामिल थी। यह देखना सुखद है कि पिछले कुछ महीनों में पूरा देश भारतीय फुटबॉल की प्रगति देख रहा है और टीम का समर्थन कर रहा है।

इन सभी ने हमें केंद्र से अपील करने के लिये प्रेरित किया।' भारत इस समय एशियाई फुटबॉल परिसंघ के अंतर्गत देशों में 18वीं रैंकिंग पर काबिज है। लेकिन एशियाई खेलों में 23 प्रतिस्पर्धी देशों में भारत 13वें स्थान पर है क्योंकि इराक, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और जोर्डन इसमें हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय टीम जाएगी एशियाड

चौबे ने पुष्टि की कि भारत अपनी सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध सीनियर पुरुष टीम उतारेगा जिसके कप्तान करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री होंगे और देश 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चलने वाले एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर सकता है। चौबे ने कहा, ''सुनील छेत्री टीम में होंगे, यह सही है। हम दोनों पुरुष और महिला स्पर्धाओं में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय टीम भेजना चाहते हैं। छेत्री टीम की अगुआई करेंगे जिससे हमारी टीम काफी मजबूत होगी। कोच इगोर स्टिमक का अनुभव भी टूर्नामेंट के लिए तैयारियों में अहम रहेगा।'

छेत्री और स्टिमक की मौजूदगी से एआईएफएफ को एशियाड में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के हाल के शानदार प्रदर्शन और इस खेल के प्रति लोगों की बढ़ती दिलचस्पी ने ही पुरुष और महिला टीमों को आगामी एशियाई खेलों में शामिल करने के लिए पेरित किया। हांगझोउ खेलों में भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों की भागीदारी पर पहले संशय बना हुआ था क्योंकि पहले खेल मंत्रालय का टीमों को भेजने का मापदंड महाद्वीप में शीर्ष आठ रैंकिंग हासिल करना था। लेकिन खेल मंत्रालय ने बाद में एआईएफएफ की अपील पर दोनों टीमों के मापदंड में राहत दी। मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने भी इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप की मांग की थी। भारतीय पुरुष टीम ने इस साल के शुरू में त्रिकोणीय टूनार्मेंट, इंटरकांटिनेंटल कप और सैफ चैम्पियनशिप जीती थी जिसकी बदौलत वह फीफा रैंकिंग में पहली बार 99वें स्थान पर पहुंचने में सफल रही जिससे लगातार सुधार के संकेत दिख रहे हैं। पूर्व भारतीय गोलकीपर चौबे ने कहा, हमारे यूट्यूब चैनल पर सैफ चैम्पियनशिप की संयुक्त दर्शकों की संख्या में काफी प्रभावशाली तेजी दिखी जिसमें हमारी महिला टीम की ओलंपिक क्वालीफाइंग के दूसरे दौर में प्रगति भी शामिल थी। उन्होंने कहा, यह देखना सुखद है कि पिछले कुछ महीनों में पूरा देश भारतीय फुटबॉल की प्रगति देख रहा है और टीम का समर्थन कर रहा है। इन सभी ने हमें केंद्र से अपील करने के लिये प्रेरित किया। भारत इस समय एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अंतर्गत देशों में 18वीं रैंकिंग पर काबिज है। लेकिन एशियाई खेलों में 23 प्रतिस्पर्धी देशों में भारत 13वें स्थान पर है क्योंकि इराक, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और जोर्डन इसमें हिस्सा नहीं ले रहे हैं। तीसरी रैंकिंग की आस्ट्रेलियाई टीम एशियाई खेलों में नहीं खेलती। चौबे ने पुष्टि की कि भारत अपनी सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध सीनियर पुरुष टीम उतारेगा जिसके कप्तान करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री होंगे और देश 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चलने वाले एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर सकता है।

वयस्कों में अव्यक्त ऑटोइम्यून मधुमेह

LADA एक प्रकार का मधुमेह है जो वयस्कता में शुरू होता है और समय के साथ धीरे-धीरे खराब हो जाता है। टाइप 1 मधुमेह की तरह, LADA तब होता है जब अग्न्याशय इंसुलिन बनाना बंद कर देता है। ऐसा आमतौर पर इसलिए होता है क्योंकि एक ऑटोइम्यून प्रक्रिया अग्न्याशय में कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा रही है। लेकिन टाइप 1 मधुमेह के विपरीत, LADA में, प्रक्रिया धीरे-धीरे होती है। इसलिए जिन लोगों को LADA होता है उन्हें अक्सर तुरंत इंसुलिन लेने की आवश्यकता नहीं होती है। बीमारी का डायग्नोसिस होने में समय लगता है और जब कन्फर्म हो जाता ही कि यह टाइप 1 Diabetes का ही रूप है फिर इंसुलिन का इंजेक्शन लगना शुरू हो जाता है।

डॉ. अशोक झिंगन

LADA टाइप 1 मधुमेह का एक रूप है जो वयस्कों में बहुत धीरे-धीरे विकसित होता है। इसे कभी-कभी टाइप 1.5 मधुमेह भी कहा जाता है। लेकिन कुछ लोग सवाल करते हैं कि क्या LADA को उस तरह से अलग तरीके से वर्गीकृत किया जाना चाहिए। इसके बजाय, वे इसे उसी बीमारी, टाइप 1 मधुमेह के रूप में देखते हैं, जो बच्चों की तुलना में वयस्कों में अलग तरह से होती है।

लक्षण : आमतौर पर उन लोगों में शुरू होते हैं जिनके पास LADA है जब वे 30 वर्ष से अधिक उम्र के होते हैं। टाइप 1 मधुमेह वाले किसी व्यक्ति के लिए यह सामान्य से अधिक उम्र है। उसके कारण, और क्योंकि अग्न्याशय अभी भी कुछ इंसुलिन बनाता है, LADA वाले कई लोगों को पहले गलती से टाइप 2 मधुमेह का निदान किया जाता है। टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित लोग, जो दुबले-पतले और शारीरिक रूप से सक्रिय हैं, या जिनका वजन बिना प्रयास के कम हो गया है, उनमें LADA हो सकता है। उन व्यक्तियों के लिए अपने डाक्टर पूछना महत्वपूर्ण है कि क्या उनका वर्तमान मधुमेह उपचार अभी भी उनके लिए सबसे अच्छा है। सबसे पहले, LADA को जीवनशैली में बदलाव के साथ प्रबंधित किया जा सकता है जैसे नियमित व्यायाम करना, वजन कम करना, स्वस्थ आहार विकल्प चुनना और धूम्रपान छोड़ना। रक्त शर्करा को कम करने के लिए मुंह से ली जाने वाली दवा भी LADA उपचार योजना का हिस्सा हो सकती है। लेकिन चूंकि शरीर धीरे-धीरे इंसुलिन बनाने की अपनी क्षमता खो देता है, इसलिए LADA वाले अधिकांश लोगों को अंततः इंसुलिन शॉट्स की आवश्यकता होती है। किसी भी प्रकार के मधुमेह की तरह, आपको LADA की प्रगति को धीमा करने और बीमारी के कारण विकसित होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याओं पर नज़र रखने के लिए निरंतर देखभाल की आवश्यकता होगी।

किचन में रखे इस मसाले से ठीक हो सकती है सर्दी-खांसी

मानसून में बदलते मौसम के कारण सर्दी-खांसी और जुकाम की समस्या होना एक आम बात है। खांसी-जुकाम किसी भी मौसम में हो सकता है, लेकिन इस छोटी समस्या के लिए हर बार डॉक्टर के पास भागना जरूरी नहीं है, क्योंकि इसका इलाज हमारे घर की किचन में ही मौजूद है। भारतीय लोगों की किचन के मसाला बॉक्स में मौजूद मसाले औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इन्ही में से एक मसाला है अजवाइन जिसके प्रयोग से कई छोटी-मोटी समस्याओं को आसानी से दूर किया जा सकता है।

सर्दी, खांसी और जुकाम में अजवाइन का उपयोग करें

किसी भी मौसम में सर्दी-जुकाम को ठीक करने के लिए 50 से 100 ग्राम अजवाइन को मलमल के कपड़े में बांधकर एक पोटली बनाएं। अब इसे पोटली को तवे पर रखकर गर्म करें। इस गर्म पोटली को गांठ के तरफ से पकड़कर सूंघने से सर्दी-जुकाम में आराम मिलता है।

-1 चम्मच अजवाइन को 1 गिलास पानी के साथ तब तक उबालें जब तक कि ये आधा न हो जाएं। इसके बाद इस काढ़े को गुनगुना पिएं। इसे पीने से आपको सर्दी-जुकाम में लाभ मिलेगा।

-आधा चम्मच अजवाइन के पाउडर को 1 गिलास गुनगुने पानी या दूध के साथ पीने से इससे जुकाम, खांसी तथा सिर दर्द में आराम मिलता है। इसका सेवन दिन में कम से कम 2 बार करें।

-खांसी के साथ कफ आने की समस्या में 1 चम्मच अजवाइन के पाउडर को आधा चम्मच घी और आधा चम्मच शहद के साथ मिलाकर खाएं। इसे खाने से आपको खांसी में आराम मिलेगा।

-सर्दी और जुकाम होने पर आप आधा चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच सोंठ और 2 लौंग को 1 गिलास पानी में उबालें जब ये पानी करीब एक चौथाई रह जाए तो इसे छानकर पिएं। इसे पीने से लाभ होता है।

तेजी से फैली कन्जक्टिवाइटिस की समस्या,

इस तरह करें बचाव

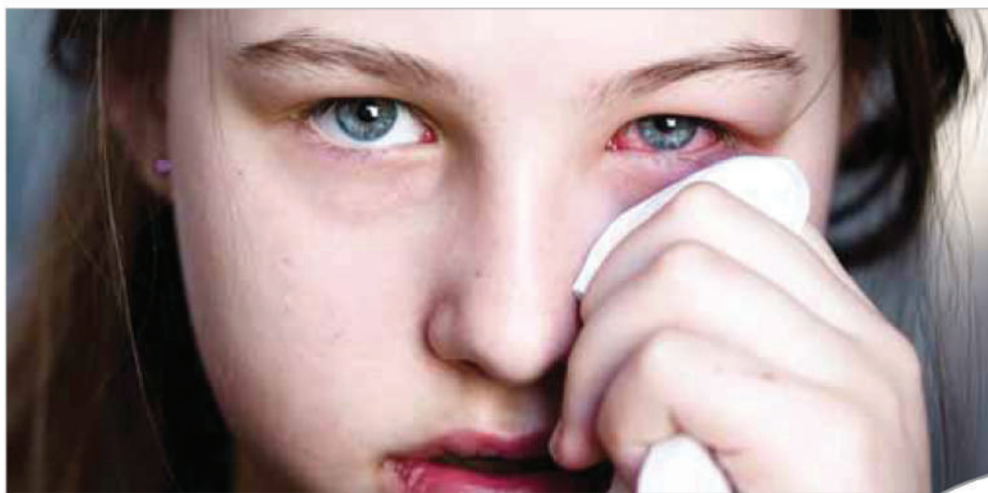

वायरल कंजक्टिवाइटिस

इसके अधिकतर मामले एडेनोवायरस के कारण होते हैं। इसके अलावा हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस, वैरिसेला जोस्टर वायरस और अन्य वायरस जिसमें कोरोना वायरस भी सम्मिलित है, इसका कारण बन सकते है। वायरल कंजक्टिवाइटिस अक्सर एक आंख में होता है, कुछ दिनों में दूसरी आंख में भी फैल जाता है।

बैक्टीरियल कंजक्टिवाइटिस

कुछ बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण भी कंजक्टिवाइटिस हो जाता है। वायरस और बैक्टीरिया दोनों से ही होने वाला कंजक्टिवाइटिस संक्रामक होता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों से निकलने वाले डिसचार्ज के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने के द्वारा यह फैल सकता है। संक्रमण एक या दोनों आंखों में हो सकता है।

आंखे बहुत ही नाजुक और संवेदनशील होती हैं। इनके साथ थोड़ी सी भी परेशानी हो तो तुरंत लक्षण दिखाई देने लगते हैं। आंखे आना या पिंक आई आंखों से जुड़ी ऐसी ही एक सामान्य समस्या है, जिसे चिकित्सीय भाषा में कंजक्टिवाइटिस कहते हैं। यह एक्यूट या क्रॉनिक दोनों ही रूपों में हो सकती है और दो सप्ताह में यह अपने आप ही ठीक हो जाती है। लेकिन कई लोगों में कंजक्टिवाइटिस के कारण गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं, जिसके तुरंत उपचार की जरूरत होती है। वैसे तो यह समस्या किसी को कभी भी हो सकती है, लेकिन गर्म और नम वातावरण में इसके होने का खतरा अधिक होता है।

जानिए क्या होता है कंजक्टिवाइटिस?

हमारी आंखों में एक पारदर्शी पतली झिल्ली, कंजक्टिवा होती है जो हमारी पलकों के अंदरूनी और आंखों की पुतली के सफेद भाग को कवर करती है, इसमें सूजन आने या संक्रमित होने को कंजक्टिवाइटिस या आंख आना कहते हैं।

जब कंजक्टिवा की छोटी-छोटी रक्त नलिकाएं सूज जाती हैं, तब ये अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगती हैं और आंखों का सफेद भाग लाल या गुलाबी दिखने लगता है। इसलिए इसे पिंक आई भी कहा जाता है।

वाइरस के संक्रमण या एलर्जिक रिएक्शन

छोटे बच्चों में टियर डक्ट (अश्रु नलिका) के पूरी तरह खुला न होने से भी अक्सर पिंक आई की समस्या हो जाती है। यह एक अत्यंत संक्रामक स्थिति है, इसलिए इसका तुरंत उपचार जरूरी है।

क्या हैं कारण ?

नवजात शिशुओं में टियर डक्ट के (अश्रु नलिका) बंद होने के कारण कंजक्टिवाइटिस की समस्या हो सकती है।

अन्य लोगों में संक्रमण, एलर्जीस, रसायनों का एक्सपोज़र इसका कारण बन सकता है।

एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस

एलर्जी करने वाले पदार्थों जैसे परागकण आदि के संपर्क में आने पर एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस हो सकता है।

रसायनों का एक्सपोजर

आंखे जब किसी रसायन के संपर्क में आती हैं या उनमें कोई बाहरी चीज चली जाती है तब भी कंजक्टिवाइटिस के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। लेकिन आमतौर पर ये लक्षण एक दिन में अपने आप ही ठीक हो जाते हैं।

लक्षण

कंजक्टिवाइटिस बड़ा असुविधाजनक हो सकता है, लेकिन बहुत ही दुर्लभ मामलों में इससे दृष्टि प्रभावित होती है। यह काफी संक्रामक होता है, और बहुत तेजी से दूसरे लोगों में भी फैल सकता है।

ये लक्षण दिखें तो सतर्क हो जाएं:-

-एक या दोनों आंखों का लाल या गुलाबी दिखाई देना।

-एक या दोनों आंखों में जलन या खुजली होना।

-आसामान्य रूप से अधिक आंसू निकलना।

-आंखों से पानी जैसा या गाढ़ा डिस्चार्ज निकलना।

-आंखों में किरकिरी महसूस होना।

-आंखों में सूजन आ जाना, यह लक्षण आमतौर पर एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस के कारण दिखाई देते हैं।

रिस्क फेक्टर्स

किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आना जिसे वायरल या बैक्टीरियल कंजक्टिवाइटिस है। किसी ऐसी चीज के संपर्क में आने जिससे आपको एलर्जी है।

रसायनों का एक्सपोजर; जैसे स्विमिंग पूल के पानी में मौजूद क्लोरीन के संपर्क में आना।

कांटेक्ट लेंस का इस्तेमाल करना; विशेषककर लगातार उन्हें लंबे समय तक लगाए रखना।

संक्रमण को फैलने से कैसे रोकें ?

कंजक्टिवाइटिस को फैलने से रोकने के लिए साफ-सफाई रखना सबसे जरूरी है, इसके अलावा इन बातों का ध्यान भी रखें-

-अपनी आंखों को अपने हाथ से न छुएं।

-जब भी जरूरी हो अपने हाथों को धोएं।

-अपनी निजी चीजों जैसे तौलिया, तकिया, आई कॉस्मेटिक्स (आंखों के मेकअप) आदि को किसी से साझा न करें।

-अपने रूमाल, तकिये के कवर, तौलिये आदि चीजों को रोज धोएं।

इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करें

-आंखों में तेज दर्द होना।

-आंखों में तेज चुभन महसूस होना।

-नजर धुंधली हो जाना।

-प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता।

-आंखें अत्यधिक लाल हो जाना।

उपचार

कंजक्टिवाइटिस कई कारणों से होता है, उपचार इसके कारणों पर ही निर्भर करता है। ज्यादातर मामलों में रसायनों के एक्सपोज़र से होने वाला कंजक्टिवाइटिस 1-2 दिन में अपने आप ही ठीक हो जाता है।

वायरल कंजक्टिवाइटिस

वायरल कंजक्टिवाइटिस के लिए कोई उपचार उपलब्ध नहीं है। 7-8 दिनों में इसके लक्षणों में अपने आप सुधार आ जाता है। वैसे वार्म कम्प्रेस (कपड़े को हल्के गरम पानी में डुबोकर आंखों पर रखना) से लक्षणों में आराम मिलता है।

बैक्टीरियल कंजक्टिवाइटिस

बैक्टीरिया के किसी भी संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स सबसे सामान्य उपचार है। बैक्टीरियल कंजक्टिवाइटिस में एंटीबायोटिक्स आई ड्रॉप्स और ऑइंटमेंट के इस्तेमाल से कुछ ही दिनों में आंखें सामान्य और स्वस्थ्य होने लगती हैं।

एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस

एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस में बाकी लक्षणों के साथ आंखों में सूजन भी आ जाती है। इसलिए इसके उपचार में एंटी हिस्टामिन आई ड्रॉप्स के साथ एंटी इन्फ्लैमेटरी आई ड्रॉप्स भी दी जाती हैं।

शुगर फ्री के साथ बिल्कुल

फ्री आती हैं कई घातक बीमारियां

क्या आप भी शुगर फ्री चाय-कॉफी पीना पसंद करते हैं। स्वाद में मिठास घोलने के लिए आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करते हैं। अगर हां तो सावधान हो जाइए, क्योंकि ये चीजें आपको भले ही शुगर फ्री खाने की चीजें उपलब्ध करवा देती हैं लेकिन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी बिल्कुल फ्री में दे सकती हैं। अक्सर डाइटिंग पर रहने वाले या डायबिटीज के मरीज आर्टिफिशियल स्वीटनर का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बता दें कि खाने में मिठास घोलने वाली ये चीजें काफी खतरनाक हो सकती हैं। आइए जानते हैं...

आर्टिफिशियल स्वीटनर में ये होता है इस्तेमाल

-एस्पार्टेम
-सैकरीन
-सुक्रालोज
-मौंक फरूट
-जाइलिटोल
-एरिथ्रिटोल
-सोर्बिटोल
-स्टीविया

क्यों खतरनाक हैं शुगर फ्री चीजें

बढ़ सकता है मोटापा

किसी भी स्वीटनर में सैकरीन पाई जाती है। जो मिठास तो मुंह में घोल देती है लेकिन चीनी से भी ज्यादा मीठी होती है। इसके सेवन से शरीर का वजन तेजी से बढ़ता है और मोटापा भी घेर सकता है।

एसिडिटी की समस्या

आर्टिफिशियल स्वीटनर यानी शुगर फ्री चीजों के ज्यादा सेवन से भूख बढ़ जाती है। इससे आप खाना ज्यादा खाते हैं और वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। आर्टिफिशियल स्वीटनर ज्यादा खाने से दस्त, मतली, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

एलर्जी कर सकती है परेशान

आर्टिफिशिएल स्वीटनर में एस्पार्टेम पाया जाता है, जो हाई टेंपरेचर पर फॉर्मिक एसिड में टूटने लगता है। इससे एलर्जी परेशान कर सकती है। कई बार तो ये टॉक्कसिक भी बन जाता है, जो और भी खतरनाक हो सकता है।

कैंसर

एक स्टडी में सामने आया कि अगर कोई भी एस्पार्टेम का सेवन ज्यादा करता है तो उसमें कैंसर, खासकर ब्रेस्ट कैंसर उन लोगों की तुलना में 1.2 गुना ज्यादा हो सकती है, जो इसका सेवन नहीं करते हैं।

दौरा पड़ सकता है

अगर कोई फेनिलकेटोनुरिया बीमारी से पीड़ित है तो उसे आर्टिफिशियल स्वीटनर और एस्पार्टेम का सेवन करने से बचना चाहिए। ये एक तरह का अमीनो एसिड फेनिलएलनिन का मेटाबॉलिज्म नहीं कर पाते हैं और दिमागी दौरा भी पड़ सकता है।

उत्तर भारत के इन 5 पर्यटन स्थलों की ट्रेन से करें सैर, दोगुना होगा घूमने का मजा

वैसे तो भारत में घूमने के लिए कई पर्यटन स्थल हैं। यह पर्यटन स्थल अपनी खासियत के लिए काफी ज्यादा फेमस हैं। जितना ज्यादा यह पर्यटन स्थल आकर्षक हैं, उतना ही ज्यादा सुहावना इनका सफर है। भारत के हर कोने तक आप रेल मार्ग, सड़क मार्ग या हवाई मार्ग से जा सकते हैं। लेकिन हवाई मार्ग का किराया अधिक होने के कारण हर व्यक्ति हवाई मार्ग नहीं चुन सकता है। ऐसे में आप पर्यटक स्थलों तक पहुंचने के लिए रेल यात्रा का अनुभव आपको रोमांचित कर सकता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तर भारत के 5 ऐसे पर्यटक स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप ट्रेन के जरिए पहुंच सकते हैं और घूमने का पूरा मजा उठा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश, वाराणसी

उत्तर प्रदेश में घूमने के लिए कई ऐसे स्थान हैं, जहां तक रेल यात्रा की सुविधा मौजूद है। ऐसे में अगर आप भी महादेव की नगरी वाराणसी घूमने का प्लान बना रहे हैं। तो आप यहां पर ट्रेन के जरिए बेहद आराम से पहुंच सकते हैं। वाराणसी की गंगा आरती और गंगा के घाट आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। भगवान शिव की नगरी काशी में सुबह-शाम सनातन धर्म की संस्कृति अलौकिक नजर आती है। वाराणसी पहुंचने के लिए यहां का सबसे पास रेलवे स्टेशन 'वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन' है।

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान

वैसे तो पूरे विश्व में राजस्थान की खूबसूरती के चर्चे हैं। लेकिन अगर आप भी राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आपको सवाई माधोपुर में स्थित रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान को एक्सप्लोर करना चाहिए। यह देश के सबसे अच्छे बाघ अभ्यारण्यों में से एक है। यहां का सबसे करीबी रेलवे स्टेशन 'सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन' है।

उत्तराखंड, मसूरी

उत्तराखंड की खूबसूरती पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करने का काम करती है। ऐसे में पहाड़ी शहर मसूरी रंगबिरंगी इमारतों के चलते काफी ज्यादा फेमस है। देवदार के पेड़ों से घिरा यह शहर छुट्टियां बिताने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां पर आप स्थानीय खानपान और लंबी सैर का आनंद उठा सकते हैं। मसूरी का सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन 'देहरादून रेलवे स्टेशन' है।

रॉक गार्डन, चंडीगढ़

अगर आप भी घूमने-फिरने के काफी ज्यादा शौकीन हैं, तो आपको चंडीगढ़ जरूर जाना चाहिए। पहाड़ियों के बीच स्थित चंडीगढ़ में आप शहरीकरण, वास्तुकला और प्राकृतिक सुंदरता का बेजोड़ मिश्रण देख सकते हैं। यहां के रॉक गार्डन की सुंदरता तो देखते बनती है। चंडीगढ़ का सबसे पास का रेलवे स्टेशन 'चंडीगढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन' है।

पंजाब, अमृतसर

पंजाब की संस्कृति अपने आप में काफी ज्यादा अनोखी है। यहां की संस्कृति में आपको जिंदादिली देखने को मिलेगी। यहां पर आप स्वर्ण मंदिर देख सकते हैं। गोल्डन टेम्पल पंजाब का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र है। पंजाब के खाने का अपना ही अलग स्वाद होता है। यहां पहुंचने वाला निकटतम रेलवे स्टेशन 'अमृतसर जंक्शन रेलवे स्टेशन' है।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट जगहों पर बिताएं छुट्टियां, वापस लौटने का नहीं होगा मन

गर्मियों की छुट्टियां शुरू होते ही लोग घूमने निकल जाते हैं। गर्मी अधिक होने की वजह से लोग हिल स्टेशनों का रुख करते हैं। इस मौसम में भी हिल स्टेशनों पर तापमान कुछ कम होने से ठंडक महसूस होती है। गर्मियों की छुट्टियों में पहाड़ी जगहों पर जाने से हिल स्टेशनों पर बहुत ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। वहीं हिल स्टेशनों में पर्यटकों की भीड़ के चलते वहां पर चीजों के दाम दोगुने हो जाते हैं। होटल के रूम से लेकर खाने-पीने का सामना तक महंगा हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी कम बजट में हिल स्टेशन घूमने के लिए जाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर भीड़ कम होने के साथ ही आप अपने बनाए बजट में सुकून भरी छुट्टियां बिता सकते हैं। आज हम आपको नॉर्थ इंडिया के कुछ कम भीड़भाड़ वाले हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप आराम से अपनी छुट्टियों को इंज्वॉय कर सकते हैं। आइए जानते हैं नॉर्थ इंडिया के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में...

नारकंडा, हिमाचल प्रदेश

हिल स्टेशन की बात करें तो सबसे पहले नाम शिमला-मनाली का आता है। लेकिन शिमला में पर्यटकों की बहुत भीड़ रहती है। ऐसे में अगर आप कम भीड़भाड़ वाली जगह पर जाना चाहते हैं तो आप शिमला से 60 किमी की दूरी तय कर छोटे से शहर नारकंडा जा सकते हैं। बता दें कि नारकंडा एक स्की रिसॉर्ट है। यहां पर बर्फ से ढकी चोटियों की खूबसूरती निहारने में एक अलग ही एहसास की अनुभूति होगी। छुट्टियां बिताने के लिए यह एक सुकून भरी जगह है।

कल्प, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कन्नौर हिल स्टेशन पर लोग अपनी छुट्टियों को मनाने के लिए जाते हैं। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो इसके लिए कल्प जा सकते हैं। किन्नौर के छोटा सा शहर, जिसे कल्प नाम के जानते हैं। यह सतलुज नदी घाटी में स्थित है। शिमला काजा हाईवे से कल्प शहर 16 किमी दूर है। यहां पर आपको देवदार के बड़े-बड़े वृक्षों के साथ ही बर्फीली वादियां देखने को मिलेंगी।

रिवालसर

रिवालसर हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश के ऑफबीट हिल स्टेशनों में से एक है। हालांकि धार्मिक दृष्टि से रिवालसर अहम माना जाता है। यह जगह हिंदुओं, बौद्धों और सिखों की आस्था का केंद्र है। भीड़भाड़ कम होने के कारण यह सस्ती और सुकून भरी जगह है।

चौकोरी, उत्तराखंड

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में चौकोरी नामक छोटा सा हिल स्टेशन है। इस हिल स्टेशन की सुंदरता देख आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। चौकोरी हिल स्टेशन के बारे में बहुत कम पर्यटकों को पता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता आपको अपनी ओर खींचने का काम करती है।

पीजी कालेज में हुआ पूर्व शोध संगोष्ठी का आयोजन, कंचन शिवम ने दी प्रस्तुति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पी०जी० कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया यह संगोष्ठी महाविद्याल के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र, छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी में समाजशास्त्र विषय की शोधार्थिनी कंचन शिवम ने अपने शोध प्रबंध शीर्षक "ग्रामीण हिंदू सामाजिक संस्थाओं के बदलते प्रतिमान" नामक विषय पर शोध प्रबंध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारत की जनसंख्या का लगभग 70 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है। गांव हमारे लोक जीवन के समग्र पहलूओं जैसे सामाजिक ,आर्थिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपराओं को अपने में समेटे हुए है, ग्रामीण समाज में संयुक्त परिवार, विवाह, नातेदारी, धर्म, शिक्षा तथा जजमानी आदि प्रमुख सामाजिक आदि संस्थाएं हैं। इसके अंतर्गत कानून, सविधि, नियम, अधिनियम, रिवाज, लोकाचार, लोकरीतियां, निषेध, फैशन, संस्कार, धार्मिक क्रियाएं एवं उत्सव, परंपराएं, शिष्टाचार है जो हमारे जनरीतियो, रुढियों एवं प्रथा में निहित है। वर्तमान में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिमान बदल रहे हैं जिनका योगदान मनुष्य को सामाजिक बनाने, सामाजिक संगठन को स्थायित्व प्रदान करने समाज को नियंत्रित करने समाज के एकीकरण और एकरूपता प्रदान करने, सामाजिक आदर्श एवं सामाजिक परंपराओं की रक्षा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान युग में इन सभी सामाजिक संस्था में गहन परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं। औद्योगिकरण, नगरीकरण तथा यातायात एवं संचार के साधनों के विकास से सामाजिक संस्थाओं के प्रतिमानों में परिवर्तन तीव्र गति से होता दिख रहा है। सामाजिक संस्था में हो रहे परिवर्तन कुछ सकारात्मक भी है और कुछ नकारात्मक भी। सकारात्मक पक्ष में देखें तो समाज तथा संवैधानिक अधिकारों के द्वारा परिवर्तन को स्वीकृति प्राप्त हो रही है। जैसे बाल विवाह पर रोक, विधवा पुनर्विवाह की स्वीकृति, शिक्षा के समान अधिकार, अस्पृश्यता निवारण आदि प्रमुख हैं तथा नकारात्मक पक्ष को देखें तो संयुक्त परिवार विखंडन, विवाह विच्छेदओं की संख्या में बढ़ोतरी, धर्म का व्यवसायीकरण, जाति का राजनीतिकरण आदि प्रमुख है। प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्रों द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थिनी कंचन शिवम ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी0 सिंह, मुख्य नियंता प्रोफेसर डॉ० एस० डी० सिंह परिहार, शोध निर्देशक डॉ० श्याम नारायण सिंह, समाज शास्त्र विभाग विभागाध्यक्ष डॉ० रुचि मूर्ति सिंह, प्रोफेसर डॉ० अरुण कुमार यादव, डॉ० रामदुलारे, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० सोहराब अंसारी, डॉ० पंकज कुमार, डॉ० राकेश वर्मा, डॉ धर्मेंद्र, डॉ० दिनेश मौर्य, डॉ० सुशील सिंह, डॉ० प्रदीप रंजन, डॉ० मंजीत सिंह, डॉ० उमा निवास मिश्र, डॉ० रविशेखर सिंह, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० शिवशंकर यादव एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे। अंत में अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ0 जी० सिंह ने सबका आभार व्यक्त किया।

टेबल टेनिस चैम्पियनशिप-2023 का भव्य उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जिला टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2023 का उद्घाटन समारोह 29 जुलाई शनिवार को संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर परिसर के इन्दधनुष सभागार में सम्पन्न हुआ` मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी के ख्यातिलब्ध व्यवसायी एवं सेवा भारती (काशी) के महासचिव वैभव कपूर ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ायी साथ ही वाराणसी टेबल टेनिस एसोसिएशन की सचिव सरिता विश्वनाथ गोकर्ण की उपस्थिति प्रतिभागियों के लिए विशेष प्रेरणादायी रही स्कूल एवं एकेडमी सहित लगभग 25 संस्थानों से 125 प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। रिजल्ट (प्रथम दिवस) 11 वर्ष आयु बालक वर्ग के प्रथम सेमीफाइनल में दिव्यांशु कुमार सिंह ने आदित्य कुमार को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया` द्वितीय सेमीफाइनल में शाश्वत यादव ने राघवेंद्र को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला दिव्यांशु कुमार व शाश्वत यादव के बीच हुआ जिसमें दिव्यांशु कुमार ने 11-8 व 11-7 से शाश्वत कुमार को पराजित कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया।

जिले की घटना को बड़े परदे पर लाने की तैयारी में है फिल्मकार अक्षय सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले की धरती से जुड़ी सत्य घटना पर आधारित एक फिल्म निकट भविष्य में दर्शकों को देखने को मिलेगी, यह कहना है फिल्मकार अक्षय सिंह का। फिल्मकार अक्षय सिंह से शनिवार को मनिहारी क्षेत्र के छपरी गांव में वार्ता हुई जिन्होंने बहुत ही कम समय अपने बुद्धिमता से बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी मृदुभाषी मशहूर बॉलीवुड एक्टर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, गाजीपुर जिले के मुहम्मदाबाद क्षेत्र के कादीपुर गांव के मूल निवासी विरेन्द्र सिंह के पुत्र हैं। बचपन से ही एक्टिंग से लगाव रखने वाले अक्षय सिंह की प्रारम्भिक शिक्षा गाजीपुर से लेकर देहरादून बोर्डिंग स्कूल तक रही। अपनी उच्च शिक्षा के दौरान,

परिवार से दूर रहने के दौरान थियेटर तक जा पहुंचे और अभिनय के गुर सीखे, फिर मुम्बई का रुख किया। सामाजिक कुरीतियों तथा रंग भेद पर बनी इनकी फि ल्म पिंकी ब्यूटी पार्लर ने बहुत ही कम समय में वह मुकाम हासिल किया? जहां पहुंचना हर एक के लिए सम्भव नहीं है। कांस फि ल्म फेस्टिवल के अतिरिक्त सिडनी, कनाडा सहित दर्जनों देशों में अवार्ड हासिल करने वाली इस फिल्म को 32वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी सराहा गया। सत्य घटना पर आधारित इनकी वेब सीरीज अस्सी नब्बे पूरे सौ इस समय सतरंगी तथा जिओ टीवी पर प्रसारित हो रही है वहीं इनकी अगली वेब सीरीज नाम गुम जायेगा शीघ्र प्रदर्शित होने की राह पर है। अपनी नई फिल्म की तैयारी को लेकर वे मनपसंद आकर्षक विभिन्न स्थानों की खोज में आजकल जिले के दौरे पर हैं।

स्वाभिमान संगठन की बैठक संपन्न क्षेत्रीय समस्याओं पर हुई चर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार की सुबह स्वाभिमान संगठन की बैठक चोचकपुर मौनी बाबा घाट पर स्थित जेटी पर हुई । किसानों को खाद और पानी समय से न मिल पाना बैठक में प्रमुख मुद्दा था। स्वाभिमान संगठन के प्रवक्ता विनीत दूबे ने कहा कि चोचकपुर और तुलापट्टी साधन सहकारी समिति पर अभी तक किसानों के लिए डीएपी नहीं आने से बुआई पर काफी बुरा असर पड़ा है।अगर समय से खाद नहीं मिली तो बुद्धवार को जिलाधिकारी से मिलकर इसकी शिकायत की जायेगी। राष्ट्रीय सचिव दुर्गेश सिंह सोनू ने संगठन के विस्तार पर जोर दिया तथा संगठन के विस्तार के लिए गांव गांव बैठक करने की बात कही। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ देवेश सिंह ने बाढ़ के समय विस्थापित लोगों की समस्याओं के निराकरण में संगठन की भूमिका, किसानों की समस्याएं तथा उनके निदान, संगठन के विस्तार पर विस्तृत प्रकाश डाला। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अमितेश मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज पांडेय, संरक्षक वेद प्रकाश तिवारी हवलदार चौधरी, पंचदेव सिंह सचिव अजय सिंह, पिण्टन सिंह, पियूष सिंह, अरूणेश पांडेय, प्रदीप राय 'मंटू, पियूष राय, शशिभूषण सिंह, वीरेश सिंह, योगेश सिंह, सुरेन्द्र यादव, धीरेन्द्र ब्रम्हचारी, सौरभ दूबे, उपेन्द्र सिंह, शशिकांत गिरि, चंद्रकेश तिवारी, बलवंत प्रधान, कैलाश सिंह, दीपू सिंह, सुनील चौधरी, श्रीकांत कुमार आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन राजकुमार चौबे ने किया।

नव निर्मित मकान के बरामदे में मिला शव, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम के लिए

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। आजमगढ़ वाराणसी मार्ग पर गंभीरपुर थाना क्षेत्र के रोहुआ मुस्तफाबाद नन्द ढाबा के पास नवनिर्मित मकान के बरामदे में शव मिलने से क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। बाद में शव की पहचान सराय पलटू निवासी कमलेश्वर राय 35 वर्ष पुत्र स्वर्गीय अनिल राय के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार गम्भीरपुर थाना क्षेत्र के रोहुआ मुस्तफाबाद स्तिथ एक ढाबा के पास रेवरा गांव निवासी रामधनी चौहान पुत्र रामकेश चौहान का नया मकान बना हुआ है मकान के बाहर बरामदे में शनिवार की सुबह लगभग 9:00 बजे ग्रामीणों ने एक शव देखा शव की सूचना मिलते ही भीड़ इक्क्ठा हो गई। किसी ने थाना गम्भीरपुर को सूचित किया। सूचना पर गंभीरपुर थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त करने में जुट गए। शव की पहचान होने पर गंभीर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की सूचना मिलते ही मृतक के दादा शंकर राय, पत्नी डाली राय व मृतक की पुत्री कोमल राय का रो रो कर बुरा हाल है।

पी.जी. कालेज में प्रवेश के लिए मेरिट सूची जारी स्नातक कक्षाओं में आनलाईन प्रवेश प्रारम्भ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर बी.ए., बी.एस-सी. गणित एवं जीवविज्ञान, बी.एस-सी.कृषि, में आनलाईन प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने स्नातक स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ होने की जानकारी देते हुए प्रखर पूर्वांचल को बताया कि प्रवेश हेतु सफल अभ्यर्थियों की मेरिट सूची कक्षावार श्रेणी व आरक्षण के अनुसार जारी की गयी है। प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित सफल अभ्यर्थियों को प्रवेश हेतु कालेज की वेबसाइट पर सूची अपलोड कर दी गयी है। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी प्रवेश हेतु अपना आवेदन 29 जुलाई 2023 से 31 जुलाई 2023 तक आनलाईन आवेदन- पत्र भर सकते हैं। अभ्यर्थी आनलाईन भरे गए आवेदन -पत्र डाउनलोड कर आवश्यक अभिलेखों की मूल प्रति के साथ कालेज में काउन्सलिंग समिति के समक्ष 31 जुलाई 2023 से 02 अगस्त 2023 तक जमा करेंगे। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी निर्धारित समयानुसार प्रवेश आवेदन -पत्र व शुल्क जमा न

करने पर उक्त सीट रिक्त मानी जायेगी और पुनः प्रवेश हेतु कोई अवसर प्रदान नहीं किया जायेगा। प्रवेश हेतु जारी मेरिट सूची से रिक्त सीटों पर उक्त मेरिट सूची से नीचे के अभ्यर्थियों को प्रवेश हेतु अवसर प्रदान किया जायेगा।

प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने प्रवेश में डिजिटल इण्डिया एवं पूर्ण पारदर्शिता की नीति अपनाते हुए आनलाईन काउन्सलिंग की व्यवस्था की गयी है। आनलाईन काउन्सलिंग द्वारा अभ्यर्थी अपने घर बैठे पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रवेश आवेदन- पत्र भर सकते हैं। प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने सम्मानित अभिभावकों से अपील की है कि समय रहते अपने पाल्यों का आवेदन-पत्र आनलाईन भरवाकर सम्बन्धित अभिलेखों की मूल- प्रति के साथ काउन्सलिंग समिति के समक्ष जमा करने में सहयोग करें। प्रवेश के लिए सभी प्रक्रिया आनलाईन है। इसलिए कोई अभ्यर्थी व अभिभावक किसी बिचौलिए के झांसे में न आए और न ही किसी को प्रवेश करा देने के नाम पर कोई धनराशि या घूस दे। यदि किसी को प्रवेश करा देने के नाम पर कोई धनराशि या घूस दी जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सम्बन्धित मीडिया अभ्यर्थी एवं अविभावक की ही होगी।

'शास्त्र' और 'शस्त्र' पर आचार्य जी का हुआ उद्बोधन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर परिसर में स्थित बहुउद्देशीय हाल 'पिनाक मंडपम' में आचार्य पुंडरीक गोस्वामी ने जवानों एवं उनके परिवारजनों को जीवन जीने की कला एवं वह किस प्रकार से शास्त्र और शस्त्र के समन्वय द्वारा संविधान प्रदत्त शक्तियों का सम्यक प्रयोग कर अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन कर सकते हैं, इस बारे में बताया। वाहिनी में आगमन पर डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा आचार्य का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पूज्य आचार्य पुंडरीक गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में गीता के श्लोको के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को बताया कि एक बल के रूप में हम किस प्रकार से सेवा भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन,निर्धारित नियमों के अंतर्गत,बिना दुविधा के सही निर्णय के साथ समान भाव से कर एक सुदृढ़ एवं संकल्पबद्ध सभ्य समाज के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं। गोस्वामी जी के पिनाक

मंडपम हाल में पधारने पर भक्तों एवं श्रोताओं से हाल खचाखच भर गया। गोस्वामी जी ने कम समय में ही जवानों एवं उनके परिवारजनों को अत्यंत ही सटीक तरीके से गीता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप शस्त्र को शास्त्र के साथ जोड़ने का उद्धरण जवानों को देते हुए जीवन जीने की कलाओं, सुदृढ़ सामाजिक ढांचों के निर्माण के गुण एवं कौशल के बारे में अत्यंत ही वृहद एवं गहरा ज्ञान उद्धरित किया?। जवानों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे जवानों की भूमिका एक मजबूत,सुदृढ़ एवं संकल्पबद्ध सभ्य सामाजिक ढांचे के निर्माण हेतु अतिमहत्त्वपूर्ण है। गीता में लिखा गया है कि प्रत्येक मनुष्य को शस्त्र एवं शास्त्र दोनों का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है, इस कथन पर आप लोग खरे उतरते हैं। आप लोगों को शस्त्र के साथ-साथ शास्त्र का भी ध्यान रखना अति आवश्यक है। शस्त्र एवं शास्त्र दोनों अपने अपने स्थान पर हमारे समाज से बुराइयों एवं कुरीतियों को खत्म करने के लिए अति आवश्यक हैं। आप लोगों का दायित्व निर्भय एवं सभ्य समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम के अंत में सेनानायक डॉक्टर मिश्र ने आचार्य जी का ह्रदय से आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान अरुण सिंह सहायक सेनानायक, शिवनारायन सैन्य सहायक, अजय प्रताप सिंह, शिविरपाल, गोपाल जी दूबे सूबेदार मेजर, विंध्यवासिनी पांडेय व वाहिनी के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु, श्रोतागण व आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे।

डा . आशीष गौरव पाण्डेय को मिला पूर्वांचल रत्न अलंकरण सम्मान

प्रखर पूर्वान्चल चंदौली। चहनिया स्थित मां खंडवारी महिला महाविद्यालय के सभागार में उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद व्दारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे चिकित्सा में समाज सेवा करने पे अंतर्राष्ट्रीय हिंदुमहासभा के मेडिकल सेल जिला महासचिव डा आशीष गौरव पाण्डेय के अनुकरणीय कार्य करने पे व पूर्वांचल रत्न अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंडवारी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के

चेयरमैन राजेंद्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि संस्थापक अध्यक्ष निर्भया सेना के संस्थापक अध्यक्ष व जेड आर यू सी सी रेलवे बोर्ड सतीश मिश्र बाबा एवं किशोर न्याय बोर्ड सदस्य - मजिस्ट्रेट चंदौली आराधना गुप्ता द्वारा मां सरस्वती दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को विधिवत शुभारंभ किया गया` डा गौरव ने सभी लोगो का आभार व्यक्त किया और कहा की समाज लिए हमेशा खड़ा पहले की भाती आगे भी निःशुल्क सेवा करता रहूंगा और गांव गांव मेडिकल कैंप लगाकर मरीजों की सेवा करता रहूंगा सम्मान समारोह में डा अपने संस्था के साथी आलोक पाण्डेय, मनीष पाण्डेय,मिथलेश पाण्डेय, किशन,मुनमुन सिंह, आशीष सिंह मौजूद रहे ऐसे समय पे अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा चंदौली की टीम ने उन्हें बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ पर पीएम का वर्चुअल कार्यक्रम केवी 39 जीटीसी में देखा गया

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्ष गांठ के अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम भारत मंडापम नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को विद्यालय में सजीव प्रसारण के माध्यम से छात्र छात्राओं को दिखाया गया। केंद्रीय विदयालय 39 जी टी सी वाराणसी कैंट को पी एम श्री के तहत चुने जाने पर बच्चो में खुशी की लहर व्याप्त हो गई। इस शिक्षा नीति से आए गुणात्मक परिवर्तन को देखा जा रहा है। केंद्रीय विदयालय 39 जी टी सी वाराणसी कैंट राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सतत प्रयास कर रहा है। प्राचार्य बी पांडेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के बारे में बताया।इस अवसर पर एच एन तिवारी, एच एस यादव,के एन तिवारी, आनंद सिंह पूजा पांडेय, शालिनी शुक्ला पंकज शर्मा ,आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

जयश्री बाग एवं नर्सरी पहुंचे वाराणसी सीडीओ हिमाशु नागपाल

प्रखर चोलापुर वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र के बबियांव स्थित जयश्री बाग एवं नर्सरी में वाराणसी के सीडीओ हिमांशु नागपाल का आगमन हुआ ।उन्होंने जयश्री बाग एवम नर्सरी में लगे नर्सरी को देखा और इस विषय पर नर्सरी के ऑनर शैलेंद्र सिंह से विस्तृत चर्चा भी की। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने शैलेंद्र से भविष्य के योजनाओं पर भी चर्चा की और साथ ही एग्री टूरिज्म (इको) के बारे में भी विस्तार से चर्चा किए।

माता कात्यायनी मन्दिर में चोरों ने किया आभूषण एवं दान पेटिका पर हाथ साफ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। एक तरफ सावन मास में लोग दर्शन पूजन में लगकर अधिक से अधिक पुण्यलाभ अर्जित कर रहे हैं वही दुसरे तरफ चोर मंदिरों पर ही हाथ साफ कर रहे हैं।मुहम्मदाबाद कोतवाली अन्तर्गत करमचन्दपुर चट्टी पर गुरूवार की रात्रि में मां कात्यायनी मन्दिर मे चोरो ने मां के आभूषण तथा दान पेटिका पर हाथ साफ कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मन्दिर के पुजारी अनिल दास ने देर रात मां कात्यायनी का पुजा पाठ तथा भोग लगाकर मन्दिर मे बने आवास मे सोने चले गये। देर रात्रि किसी वक्त चोर मंदिर मे प्रवेश करके मंदिर के पुजारी के आवास का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया तथा मां कात्यायनी के श्रृंगार का आभूषण उनके प्रतिमा के ऊपर से चुराकर भाग गये। जब पुजारी की नीद भोर मे चार बजे खुली तो पुजारी ने अपना दरवाजा अन्दर से खोला तो दरवाजा नही खुला तो अपने किसी परचित के यहा फोन किया तो वह व्यक्ति मंदिर पर जाकर पुजारी के आवास को बाहर से खोला। तब जाकर पुजारी अपने आवास से बाहर निकले तो देखे की मंदिर की दान पेटिका गायब है, तब उनकी नजर मां कात्यायनी की प्रतिमा पर गयी तो मां के प्रतिमा के ऊपर से मांग टीका, पांच थान नथिया, कलफुल, बिन्दी सहित उनका श्रृगार का आभूषण भी गायब था। आभूषणों की बाजारू कीमत लगभग पांच लाख है। तथा दान पेटिका मे भी बीस से पच्चीस हजार रूपया था। इस बात की सुचना पुजारी ने 112 पर पुलिस को फोन करके दी। मौके पर पुलिस टीम मंदिर पर पहुचकर मौका मुआयना किया तथा मंदिर के पुजारी से बात किया। मां कात्यायनी मंदिर मे चोरी की सुचना पर सैकड़ो श्रद्धालु पहुचकर इस चोरी की निन्दा कर रहे है। मंदिर के पुजारी अनिल दास ने मुहम्मदाबाद कोतवाली मे पहुचकर अज्ञात चोरो के खिलाफ तहरीर दिया है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी,
गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं